mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-202 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 जुलाई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

तीन छक्के लगाते @ पेज 7

राष्ट्रपति के 14 सवालों पर सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या राष्ट्रपति और राज्यपाल के जरिए विधानसभा से पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए न्यायिक आदेशों के तहत कोई समय-सीमा निर्धारित की जा सकती है? 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान बेंच इसकी जांच के लिए तैयार हुई। कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्यों को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी। बेंच की अध्यक्षता सीजेआई बीआर गवई कर

रहे हैं। उनके साथ जस्टिस विक्रम नाथ, सूर्यकांत, पीएस नरसिंह और अतुल चंदुरकर शामिल हैं। यह बहस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से 13 मई को सुप्रीम कोर्ट से मांगी गई सलाह के बाद शुरू हुई, जिसमें उन्होंने 14 संवैधानिक सवाल उठाए। इससे पहले 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने आर्टिकल 142 का उपयोग करते हुए कहा था कि राष्ट्रपति को 3 माह के भीतर निर्णय देना चाहिए। मामला सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल के फैसले से जुड़ा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए विधेयक पारित करने की समयसीमा तय की थी।

उत्तराखंड पुलिस बोली- दीपक हुड्डा गंगा में बहे

रोहतक, एजेंसी। उत्तराखंड पुलिस ने कहा कि हरियाणा के रोहतक में रहने वाले भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा हरिद्वार में गंगा के तेज बहाव में बह गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें बहने और डूबने से बचाया। पुलिस ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है। हालांकि, इस बारे में दीपक हुड्डा ने कहा कि वह तो बिल्कुल ठीक हैं और हरिद्वार गए ही नहीं। वह रोहतक में ही एक कार्यक्रम में हैं। दीपक हुड्डा हरियाणा में भाजपा के नेता और हिसार की बॉक्सर स्वीटी बूरा के पति भी हैं। उत्तराखंड पुलिस की ओर से बुधवार, 23 जुलाई 2025 की शाम 4 बजकर 20 मिनट पर सोशल मीडिया (ङ्क) पर वीडियो पोस्ट किया गया। जिसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति को रेस्क्यू किया जा रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन में पुलिस ने लिखा- हालांकि, उत्तराखंड पुलिस की ओर से जारी किया गया यह वीडियो कब का है, इसके बारे में पुलिस ने कोई जानकारी शेयर नहीं की है। इस मामले में भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा ने कहा- मैं तो रोहतक में ही हूं। गांव मोखरा में भाजपा मंडल अध्यक्षों की मीटिंग में मौजूद हूं। मेरे साथ जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका भी हैं। जो वीडियो दिखाई जा रही है, वह मेरी नहीं है।

केदारनाथ तक 7 किलोमीटर सुरंग बनाने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय केदारनाथ तक 7 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की तैयारी कर रहा है। ऐसा हुआ तो आने वाले 4-5 साल में केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने के दो रास्ते हो जाएंगे। इनमें से एक रास्ता हर मौसम में मंदिर तक सीधी पहुंच देगा। अभी गौरीकुंड से रामबाड़ा-लिंचोली होते हुए केदार धाम तक का पैदल मार्ग 16 किलोमीटर लंबा है।

टनल बनने के बाद यह 5 किमी ही बचेगा। दरअसल, 2013 और जुलाई 2024 की त्रासदी से सबक लेते हुए केंद्र ने केदारनाथ मंदिर तक के नए सुरक्षित रास्ते को बनाने की योजना पर काम शुरू किया है। इसके लिए मंत्रालय ने कंसल्टेंट के जरिए पहाड़ का प्रारंभिक सर्वेक्षण करा लिया है। टनल उत्तराखंड में 6562 फीट ऊपर बनेगी। यह कालीमठ घाटी के आखिरी गांव चौमासी से लिंचोली तक होगी। लिंचोली केदारनाथ मंदिर से पांच किलोमीटर पहले है। चौमासी तक पक्की रोड है। यहां कार से जा सकते हैं। फिर टनल होगी और लिंचोली से मंदिर तक 5 किलोमीटर का पैदल सफर करना होगा। राष्ट्रीय राजमार्ग उत्तराखंड के चीफ इंजीनियर मुकेश परमार के मुताबिक कंसल्टेंट ने सर्वेक्षण कर टनल की ड्राइंग दी है। केंद्रीय अफसरों की टीम इसे अंतिम रूप दे रही है। कालीमठ का रास्ता गुप्तकाशी से कटता है। पिछले साल सितंबर में पांच सदस्यीय टीम ने चौमासी-खाम बुग्याल-केदारनाथ रूट का जमीनी सर्वेक्षण किया था। तब टीम ने कहा था कि इस पूरे मार्ग पर कहीं भी भूस्खलन जोन नहीं हैं।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टेकऑफ से पहले इंडिगो फ्लाइट में आग

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद से दीव जा रही इंडिगो की फ्लाइट एटीआर 76 में बुधवार को उड़ान भरने से ठीक पहले इंजन में आग लग गई। फ्लाइट में 60 लोग पैसेंजर थे। जैसे ही विमान रनवे पर टेकऑफ की तैयारी कर रहा था, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इमरजेंसी 'मेडे' कॉल भेजा और उड़ान को रोक दिया गया। यह हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। इसके बाद तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की जांच जारी है इससे एक दिन पहले मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हॉन्गकॉन्ग से आई एअर इंडिया फ्लाइट-315 में लैंडिंग के तुरंत बाद ऑक्सिलरी पावर यूनिट यूनिट में आग लग गई थी। ऑक्सिलरी पावर यूनिट प्लेन में सबसे पीछे उसकी टेल में होती है। वहां आग लगने से प्लेन की बॉडी को नुकसान पहुंच सकता है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 2 ब्रिटिश परिवार को गलत शव मिले

अहमदाबाद, एजेंसी। ब्रिटेन में अहमदाबाद प्लेन क्रैश के पीड़ित 2 परिवारों ने दावा किया है कि उन्हें गलत शव सौंपे गए हैं। उनके वकील जेम्स हीली के मुताबिक, दोनों शवों का डीएन उनके परिजन से मेल नहीं खा रहा। ब्रिटेन के न्यूज पेपर डेली मेल की एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। इसके मुताबिक, ब्रिटेन में रहने वाले एक परिवार ने अपने परिजन के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी, लेकिन जब डीएन जांच में पता चला कि ताबूत में किसी और यात्री का शव है, तो उन्हें अंतिम संस्कार की योजना रद्द करनी पड़ी। एअर इंडिया ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। वहीं, भारतीय विदश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मामला सामने आने के बाद हम ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हालांकि भारत में अफसरों ने प्रोटोकॉल के तहत ही मृतकों की पहचान की थी। दरअसल, 13 शवों को ब्रिटेन भेजा गया था। 12 जून को प्लेन हादसे में 270 लोगों की मौत हुई थी। हादसे के वक्त विमान में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत 242 पैसेंजर सवार थे।

जस्टिस वर्मा केस से हटे सीजेआई गवई

नई दिल्ली, एजेंसी। जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं। दरअसल, 19 जुलाई जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान हो या आमजन, खरीदकर पौधे लगाने और उन्हें बड़ा करने में लागत अधिक आती है, इसलिए सबको नर्सरी और बगीचा लगाने के लिए प्रेरित तो करें, परंतु उन्हें पौधे उद्यानिकी विभाग उपलब्ध कराये। कम खर्च में ज्यादा फायदा देने वाले फलदार और छायादार पौधों का बहुतायत में रोपण कराया जाये। पौधरोपण के कार्य में निजी सेक्टर और किसानों को भी जोड़ा जाये। अधिक लाभ देने वाली पौध प्रजाति का चयन किया जाये, जिससे भविष्य में इनकी मांग के अनुरूप आपूर्ति (पौध उत्पादन) भी तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में एक पेड़ मां के नाम अभियान की बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों और निजी क्षेत्रों को भी एक पेड़ मां के नाम अभियान से जोड़ा जाए। सभी विभाग

लक्ष्य की पूर्ति के लिए पौधरोपण में तेजी लाएं और रोपे गए पौधों की मॉनिटरिंग भी बेहतर तरीके से करें। उद्यानिकी विभाग किसानों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करे, जिससे निकट भविष्य में फलों को बेचकर उनकी आय में वृद्धि हो सके। एक बगिया मां के नाम के माध्यम से राज्य सरकार स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए भी संकल्पित है। फलों की बगिया विकसित करने के लिए उन्हें तीन साल तक आर्थिक मदद दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रदेशभर में गत 5 जून से एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है, जो 30 सितंबर तक चलेगा। प्रमुख सचिव पर्यावरण ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान की मॉनीटरिंग के लिए मेरी लाइफ पोर्टल तैयार किया गया है। गत 5 जून से अब तक प्रदेश के विभिन्न विभागों और जिलों में करीब 5 करोड़ 54 लाख से अधिक पौधरोपण कर पोर्टल पर दर्ज कर दिया गया है। इस अभियान में अकेले वन विभाग ने ही वर्ष 2025-26 में 3.40 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य के विरूद्ध 22 जुलाई तक 5 करोड़ 38 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर दिया गया है। कुल पौधरोपण की 95 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि वन विभाग ने हासिल की है।

उपराष्ट्रपति चुनाव अगस्त के आखिर में संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश को नया उपराष्ट्रपति अगस्त महीने के आखिर तक मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुनाव का शेड्यूल अगले 72 घंटे में जारी हो सकता है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जब सारी तैयारियां पूरी हो जाएंगी, फिर चुनाव की आधिकारिक घोषणा करेंगे। ईसीआई को संविधान के आर्टिकल 324 के तहत उपराष्ट्रपति के पद के लिए चुनाव कराने का अधिकार है। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली में सड़कें डूबीं, स्कूल में घुटनों तक पानी भरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह से ही बारिश हो रही है। दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे गाड़ियां फंस गईं। दिल्ली के टिकरी कलां स्थित नगर निगम बालिका स्कूल के क्लासरूम में दो फीट तक पानी भर गया। बच्चे पानी के बीच डेस्क पर बैठे दिखे। कई जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई। गाजियाबाद में रामनगर एलिवेटेड रोड पर गाड़ियों की लंबी कतारें नजर आईं। आईएमडी ने दिल्ली और हृष्टक्रमें आज दिन भर गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ और बारिश होने की संभावना जताई है। दूसरी तरफ, झारखंड में बिजली गिरने से चार महिलाओं और बिहार में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाएं झुलस गईं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक, प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। अगले 48 घंटे में बारिश का अनुमान नहीं है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हुए लैंडस्लाइड में दो लोगों की मौत हो गई। मंगलवार-बुधवार की रात बदोरा पहाड़ी क्षेत्र में लैंडस्लाइड के समय दोनों तंबू में सो रहे थे। मौसम विभाग ने उधमपुर में अगले 72 घंटों तक रुक-रुककर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, असम, मेघालय में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में 26 जुलाई तक कम बारिश होने का अनुमान है। इसके बाद बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर-लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक-आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि सरकार कहती है ऑपरेशन सिंदूर चालू है, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प बंद कराने का दावा कर चुके हैं। ट्रम्प ने 25 बार बोला कि उन्होंने सीजफायर कराया। वो कौन होते हैं बोलने वाले, ये उनका काम नहीं है, लेकिन पीएम मोदी ने इस पर एक जवाब नहीं दिया। ऐसा लगता है दाल में कुछ काला है। इससे पहले लोकसभा में बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। उन्होंने काले कपड़े लहराए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- आप सड़क का व्यवहार संसद में न करें। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

गुजरात के मोडासा में आप की किसान-पशुपालक महापंचायत

मोडासा, एजेंसी। गुजरात के मोडासा शहर में आज आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा विशाल किसान-पशुपालक महापंचायत का आयोजन किया गया। इस मौके पर आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी गुजरात पहुंचे। दोनों नेताओं ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि क्र किसानों-पशुपालकों का पूरा साथ देगी। महापंचायत को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा- साबरकांठा अरावली के पशुपालक जब अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करने गए तो इन गरीब पशुपालकों पर लाठियां बरसाई गईं और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। अगर किसान अपना हक मांग रहे थे, तो उनसे बैठकर बात करनी चाहिए या लाठी चलानी चाहिए, ये उनका अहंकार है।

गोरखपुर में 600 ट्रेनी महिला सिपाही रोते-चिल्लाते बाहर आईं

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर में ट्रेनी महिला सिपाहियों ने बुधवार सुबह 8 बजे हंगामा कर दिया। 600 महिला सिपाही रोती-चिल्लाती ट्रेनिंग सेंटर से बाहर आ गईं। उन्होंने ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए।

एक महिला सिपाही ने कहा- ट्रेनिंग सेंटर के बाथरूम में कैमरे लगे हैं। हमारे वीडियो बन गए हैं। क्या उनको वापस किया

जाएगा? अब क्या होगा? कल कुछ अफसर आए थे, वो खरी-खोटी सुनाकर चले गए। महिला सिपाहियों ने यह भी कहा कि ट्रेनिंग सेंटर में 360 लड़कियों के रहने का इंतजाम है, लेकिन 600 रह रही हैं। हंगामे की सूचना मिलते ही अफसरों के हाथ-पांव फूल गए। कारण यह कि जिस पीएसी टावर में ट्रेनिंग चल रही है, वहां सीएम योगी का गुरुवार को कार्यक्रम होना है।

अखिलेश ने मस्जिद में सपा सांसदों के साथ मीटिंग की

लखनऊ, एजेंसी। संसद के बगल की मस्जिद में अखिलेश यादव और उनके सांसदों की कथित मीटिंग पर विवाद बढ़ता जा रहा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश को नमाजवादी बताया। कहा- संविधान में साफ लिखा है कि हम धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं करेंगे, लेकिन सपा मुखिया हमेशा संविधान का उल्लंघन करते रहे। उन्हें संविधान पर कोई भरोसा नहीं है।

अखिलेश ने डिप्टी सीएम के बयान पर पलटवार किया। कहा- आस्था जोड़ती है। जो आस्था जोड़ने का काम करती है, हम उसके साथ हैं, लेकिन भाजपा चाहती है कि कोई न जुड़े, दूरियां बनी रहें। हम सभी धर्मों में आस्था रखते हैं। भाजपा का हथियार धर्म है। दरअसल, मंगलवार को जब सदन की कार्यवाही स्थगित हुई, तब अखिलेश यादव अपने सांसदों के साथ बैठे थे।

मंत्री विजय शाह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका

भोपाल, एजेंसी। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान देने वाले मंत्री विजय शाह को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस की नेता जया ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दाखिल की है।

याचिका में कहा गया है कि मंत्री शाह का आचरण संविधान के अनुच्छेद 164 (3) के तहत ली गई शपथ का उल्लंघन करता है। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने उनके खिलाफ क्वो-वारंटो रिट जारी करने की मांग की है, जिससे उन्हें मंत्री पद से हटाया जा सके। याचिका में कहा गया है- मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ एक विवादित टिप्पणी की थी, जो किसी और के लिए नहीं बल्कि केवल उन्हीं के लिए हो सकती है। क्योंकि मंत्री द्वारा की गई कमेंट के विवरण के मुताबिक कोई और नहीं है। शाह केस की सुप्रीम कोर्ट में 28 मई को हुई सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने कैविएट दायर की थी। इसमें कहा गया था कि उन्हें सुने बगैर सुप्रीम कोर्ट शाह केस में कोई फैसला न दे। इस दौरान जया ठाकुर की तरफ से एडवोकेट वरुण ठाकुर, विवेक तन्खा और बाकी लोग भी कोर्ट रूम में मौजूद थे।

राहुल बोले- ट्रम्प सीजफायर कराने वाले कौन

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, ट्रम्प 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर कराया। वह कौन हैं? यह उनका काम नहीं है। भारत के प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं। उन्होंने एक बार भी ट्रम्प के दावों का जवाब नहीं दिया। प्रधानमंत्री क्या बोलेंगे। कैसे बताएंगे कि ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ समझौता करवाया है? संसद में मानसून सत्र में भाग लेने के बाद राहुल ने कहा, पूरी दुनिया जानती है कि ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा की थी। पीएम मोदी यह नहीं कह सकते, लेकिन यह सच है और पूरी दुनिया जानती है। जो लोग खुद को देशभक्त कहते हैं वे भाग गए हैं। ट्रम्प फिर बोले- दोनों देशों के बीच सीजफायर कराया राहुल गांधी का यह बयान मंगलवार सुबह ट्रम्प के नए दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने फिर से कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोक दिया है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। वे शायद परमाणु जंग में

उलझने वाले थे। ट्रम्प ने कहा, उस समय दोनों देशों के बीच संघर्ष गंभीर हो गया था, 5 फाइटर जेट्स गिराए जा चुके थे। किसी भी वक्त परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता था। मैंने उन्हें फोन किया और व्यापार रोकने की धमकी दी।22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। भारत ने पाकिस्तान प्रशासित आजाद कश्मीर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नौ जगहों पर मिसाइल और हवाई हमले शुरू किए थे। दोनों देशों के बीच 3 दिनों तक संघर्ष चला। 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ था। तब पहली बार ट्रम्प ने सीजफायर कराने का दावा किया था। बीते 73 दिनों में वे 25 बार जंग खत्म करने का दावा कर चुके हैं।

मंत्री टेटवाल ने वीरगति प्राप्त जवान नागर को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने जम्मू-कश्मीर में देशसेवा के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए राजगढ़ जिले के ग्राम टूटियाहेड़ी निवासी भारतीय सेना के जवान हरिओम नागर को मंगलवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। मंत्री टेटवाल ने स्व. नागर की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिजन से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। मंत्री टेटवाल ने कहा कि हरिओम नागर जैसे साहसी और राष्ट्रनिष्ठ सपूतों के कारण ही भारत की आत्मा जीवित रहती है। उनका बलिदान समूचे राष्ट्र का गौरव है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। राज्य सरकार शहीद के परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी है। शहीद हरिओम नागर की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। राजगढ़ जिले के पचोर नगर से टूटियाहेड़ी तक शहीद की अंतिम यात्रा में अपार जन सैलाब उमड़ा। %भारत माता की जय% और %शहीद हरिओम नागर अमर रहें% के नारों से गूंजते माहौल में पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धांजलि दी गई। महिलाएं, युवा, बुजुर्ग और बच्चों ने भावविभोर होकर नम आंखों से अंतिम दर्शन किए। ग्राम टूटियाहेड़ी में सेना की टुकड़ी द्वारा सैन्य परंपराओं के अनुसार शहीद नागर को अंतिम सलामी दी गई। तिरंगे में लिपटी पार्थिव देह को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। हवाई फायरिंग, राष्ट्रगान और मौन श्रद्धांजलि के साथ पूरे गांव ने शहीद हरिओम नागर को अंतिम विदाई दी। मंत्री टेटवाल ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि शहीदों का सम्मान केवल श्रद्धांजलि तक सीमित न हो, बल्कि उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए हमें अपने कर्तव्यों और नागरिक उत्तरदायित्वों को भी निभाना चाहिए। यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सांसद रोडमल नागर, विधायक अमर सिंह, ज्ञान सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी और हजारों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वन विभाग ने जल गंगा संवर्धन अभियान में 5 करोड़ से अधिक पौधों का किया रोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के आव्हान पर वन विभाग द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जैव विविधता को बढ़ावा देने, पर्यावरण संतुलन बनाये रखने, जलवायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और जल संचय करने के उद्देश्य से 71 हजार 682 हेक्टेयर में 5 करोड़ 35 हजार 872 पौधों का रोपण किया गया है। अभियान में 78 हजार 665 हेक्टेयर में कुल 5 करोड़ 25 लाख 40 हजार 158 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया था। अभी तक लक्ष्य के विरुद्ध 95.23 प्रतिशत पौधरोपण किया जा चुका है। वन विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा पौधरोपण के लक्ष्य के विरुद्ध अनुसंधान एवं विस्तार शाखा द्वारा 115 हेक्टेयर में 82 हजार 108, बेम्बो मिशन में 1113 हेक्टेयर में 4 लाख 9 हजार 735, कैम्पा में 50 हजार 545 हेक्टेयर में 3 करोड़ 25 लाख 72 हजार 688, डेवलपमेंट में 12 हजार 903 हेक्टेयर में 67 लाख 86 हजार 151, ग्रीन इण्डिया मिशन में 1413 हेक्टेयर में 4 लाख 69 हजार 515, लघु वनोपज संघ में 1854 हेक्टेयर में 9 लाख 33 हजार 875 और वन विकास निगम द्वारा 3 हजार 521 हेक्टेयर में 87 लाख 81 हजार 800 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

मध्य क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को 1498.62 करोड़ से अधिक की सब्सिडी दी गई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रदेश में प्रभावी और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 30 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 1498 करोड़ 62 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है।

स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के लिए तैयार करें पाठ्यक्रम : मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को पहचान कर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम तैयार करें। उन्होंने प्रदेश में देश विदेश से निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल की सराहना की है। अपेक्षा की है कि निवेश परियोजना क्रियान्वयन के साथ ही उद्योग में रोजगार के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के लिए कोर्स प्रारम्भ करें, जिससे परियोजना शुरू होने के साथ ही आवश्यकता अनुसार स्थानीय स्तर के युवा उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज करेंसी का जमाना है, लेकिन स्किल (कौशल) ही करेंसी है, भारत इसे अच्छी तरह समझता है। इसीलिए हम नवाचार करते हुए कौशल विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान और तेजी से बढ़ता राज्य है। इसीलिए हम खेती की पढ़ाई को सामान्य महाविद्यालयों तक लेकर गए हैं। अगर कोई युवा खेती में करियर बनाना चाहे तो उसे आधुनिक तकनीक की जानकारी होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के दायरे विस्तृत होने चाहिए। सभी कोर्स यहां से संचालित होने चाहिए। राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त विचार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विकसित मध्यप्रदेश एड.2047 'रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही है। कार्यशाला का आयोजन बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया गया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर कार्यशाला समय की आवश्यकता है। भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच है। रोजगार केन्द्रित शिक्षा और विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के योगदान को बढ़ाने की प्रभावी पहल है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है। यह समय के साथ तालमेल बैठाने, नवाचारों को अपनाने और नवीन अवसरों का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सक्षम बनाती है। इसलिए हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों तक सुलभ पहुंच देने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा से मनुष्य का समग्र विकास होता है। यह आयोजन को बदलते दौर में रोजगार आधारित शिक्षा और अवसरों का विकास करने के क्रम किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर सबसे पहले 1968 और उसके बाद 1988 में मंथन हुआ। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तीसरी बार

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारी करें ग्राम भ्रमण एवं रात्रि विश्राम-मंत्री डॉ. शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि अधिकारी शासकीय योजनाओं को संवेदनशीलता से ग्राम स्तर पर लागू करें। ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर रात्रि विश्राम भी करें, जिससे जनजातीय समुदाय की वास्तविक समस्याओं को समझ सकें। मंत्री डॉ. शाह मंगलवार को केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं राज्य के जनजातीय कार्य विभाग के समन्वय से जनजातीय सशक्तिकरण की दिशा में 'आदि कर्मयोगी अभियान = रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अभियान के तहत 22 से 28 जुलाई 2025 तक सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होटल रेजन्टा पैलेस आईएसबीटी कैम्पस में किया जायेगा। प्रशिक्षण में उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से 24 प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। अभियान में 12 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण उपरांत 50 जिलों में प्रति जिला 07-07 मास्टर ट्रेनर्स अर्थात कुल 350 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ये मास्टर ट्रेनर्स विकासखण्ड स्तर के मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देंगे, जो आगे ग्राम स्तर के कर्मयोगियों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग सहित स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ये सभी विभाग आपसी समन्वय से इस अभियान को ग्राम स्तर तक पहुंचाएंगे। 'आदि कर्मयोगी अभियान' का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को उनके कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों को स्वार्थ रहित, पूर्ण निष्ठा एवं संवेदनशीलता से निभाने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। शुभारंभ सत्र में केन्द्रीय सचिव जनजातीय कार्य मंत्रालय विभु नायर, उत्तरप्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव वेकेंटेश्वरालू एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रमुख सचिव सोनमोनी बोराह वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, जनजातीय कार्य गुलशन बामरा, केन्द्रीय संयुक्त सचिव अजीत श्रीवास्तव, उप सचिव जफर मलिक एवं आयुक्त सह संचालक, जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं वंदना वैद्य ने भी संबोधित किया।

मंत्री पटेल ने केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह से की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से निज निवास पर मुलाकात की। मंत्री पटेल ने केंद्रीय मंत्री सिंह को राज्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने नलजल योजनाओं में सौर ऊर्जा के उपयोग, व्यापक संचार सम्पर्क, पंचायत भवनों के निर्माण, नवीन पेसा सेल के गठन सहित विभिन्न मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री से चर्चा की। इस अवसर पर मंत्री पटेल ने कहा कि यह मुलाक़ात पंचायतों के विभिन्न गतिरोधों का सकारात्मक समाधान देगी।

हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह 24 से 29 जुलाई तक एवं नाट्यशास्त्र पर केन्द्रित भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी 25 से 28 जुलाई तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संस्कृति पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के समन्वय से प्रकृति और भारतीय संस्कृति के प्रति आभार प्रकट करने के मूल भाव के साथ हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह एवं नाट्यशास्त्र पर केन्द्रित भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह अनूठा अवसर होगा जब देश के सुप्रसिद्ध रंगगुरु, रंगकर्मी, रंग विशेषज्ञ एक स्थान पर एकत्रित होंगे। हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन 24 से 29 जुलाई, 2025 तक रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि एवं अंजनी सभागार में और भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी 25 से 28 जुलाई, 2025 तक रवीन्द्र भवन के गौरान्जनी सभागार में आयोजित की जाएगी। समारोह के सम्बन्ध मे राज्यमंत्री लोधी मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव और मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक संजय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि यह समारोह कला और विचारों की एकता को दर्शाने वाला समारोह है। रंगमंच में विविधता के बीच संतुलन और संवाद का संदेश देता है।

इस नाम से समारोह न केवल थिएटर का उत्सव होता है, बल्कि यह सांस्कृतिक समरसता, आध्यात्मिक गहराई और राष्ट्रीय विचारधारा की अभिव्यक्ति भी बन जाता है। इसके साथ ही श्रावण मास में हरियाली का उत्सव प्रकृति के पुनर्जीवन और मानव जीवन से गहरा जुड़ाव भी दर्शाता है। यह उत्सव हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और उसके प्रति आभार व्यक्त करने की भी प्रेरणा देता है। इसी प्रेरणा के भाव से हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। 24 जुलाई को इस समारोह का शुभारंभ भी हरियाली अमावस्या के दिन किया जा रहा है। राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि नाट्यशास्त्र पर केन्द्रित भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन का उद्देश्य संस्कृति विभाग द्वारा स्थायी कार्य करना है। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग प्रदेश एवं देश में वर्षभर अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता है। जिसमें राज्य की कला एवं संस्कृति के दर्शन के साथ ही उत्कृष्ट प्रतिभाओं को भी अवसर प्राप्त होता है। संस्कृति विभाग द्वारा बीते कुछ वर्षों से यह भी प्रयास किया जा रहा है कि अकादमिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाए, ताकि स्थायी कार्य हो सके। नाट्यशास्त्र पर आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय संगोष्ठी इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। इस संगोष्ठी में देश के सुविख्यात रंगकर्मी एवं नाट्य विशेषज्ञों के वक्तव्य होंगे। साथ ही नाट्य के क्षेत्र में शोध कर रहे शोधार्थी भी सम्मिलित होंगे।

लोक निर्माण मंत्री की अध्यक्षता में विभागीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने पर विशेष बल देते हुए अभियंताओं के कौशल विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अभियंताओं को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण दिलाया जाए, जिससे वे गुणवत्तापूर्ण निर्माण तकनीकों और नवीनतम इंजीनियरिंग विधाओं से परिचित हो सकें। बैठक में सलाहकार समिति सदस्य प्रशांत पोल, विक्रांत सिंह तोमर, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग सुखवीर सिंह, प्रबंध संचालक एमपीआरडीसी भरत यादव, प्रबंध संचालक भवन निर्माण सी.बी. चक्रवर्ती सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री सिंह ने 'लोकपथ' मोबाइल ऐप पर प्राप्त जन-शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की प्राथमिकता जनसेवा है और जन-विश्वास बनाए रखने के लिए जवाबदेही और तत्परता अनिवार्य है।बैठक में सड़क निर्माण एवं उन्नयन की दीर्घकालिक रणनीति पर भी गंभीरतापूर्वक चर्चा हुई। मंत्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक निर्माण का मूल उद्देश्य जन-कल्याण होना चाहिए, इसलिए योजनाओं का निर्माण आमजन की आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक परियोजना ऐसी हो जो जनता को सुगमता, सुविधा और सुरक्षा प्रदान कर सके। उपस्थित अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं और प्रस्तावों पर विस्तार से जानकारी दी और निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने तथा तकनीकी उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण शिविर होंगे प्रारंभ-उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्यस्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में मंत्री परमार ने विश्वविद्यालय स्तर प्रशिक्षण शिविर फिर से विश्वविद्यालय की सहयोग राशि से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोदग्राम योजना के विभिन्न पहलुओं को धरातल पर सार्थकता प्रदान करने के निर्देश दिए। मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक वर्ष में प्रत्येक 6 माह में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। मंत्री परमार ने कहा कि कार्यक्रम अधिकारियों का जिला/विश्वविद्यालय स्तर पर एक या दो दिवसीय प्रशिक्षण कराया जाये। उन्होंने कहा कि एनएसएस गतिविधियों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जायें और इसकी समीक्षा भी की जाये। मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में स्वयंसेवी विद्यार्थियों की सहभागिता को उनके मूल्यांकन में अतिरिक्त वेटेज देने की विश्वविद्यालयों द्वारा कार्य-योजना बनायी जाये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों से ग्रामों में रोजगार एवं स्व-रोजगार आदि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सर्वेक्षण भी कराया जाये।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि कार्यक्रम अधिकारियों का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जब तक 7 दिवसीय प्रशिक्षण की पूर्ण व्यवस्था नही हो जाती, तब तक जिला/विश्वविद्यालय स्तर पर एक या दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। परमार ने कहा कि एनएसएस गतिविधियों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं और इसकी समीक्षा विभागीय बैठकों में की जाए। विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से ग्रामों में परिणामुन्मुखी क्रियान्वयन करें। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि रासेयो द्वारा किए जाने वाले गोदग्राम गतिविधियों में विद्यार्थियों के मध्य मेरा गोदग्राम सबसे अच्छा नाम से विश्वविद्यालय स्तर पर इकाईयों के मध्य आपसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर उत्कृष्ट ग्राम की रासेयो इकाई को पुरस्कृत करें। राजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड मां के नाम अंतर्गत रासेयो के स्वयंसेवी विद्यार्थियों द्वारा अधिकाधिक पौधरोपण किया जाए। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने स्कूल शिक्षा में रासेयो इकाइयों की स्थापना के लिए पूर्ण सहयोग देने की बात कही। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव दिनेश जैन ने रोसेयो प्रशिक्षण के लिए ग्रामीण विकास विभाग के ट्रेनिंग सेन्टर उपलब्ध कराने के लिए सहमति प्रदान की।

पंचायत उप निर्वाचन में हुआ 70.51 प्रतिशत मतदान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत उप निर्वाचन 2025 में त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त पद के लिये मंगलवार को मतदान हुआ। सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान हुआ। कुल 70.51 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया कि खास बात यही रही कि सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के निर्वाचन के लिये 9 मतदान केन्द्रों में मतदान इंटिग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से कराया गया। इन मतदान केन्द्रों की मतदान प्रक्रिया का लाइव प्रसारण भी किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय के सामने तथा सागर और दमोह में एक-एक स्क्रीन लगाई गई इसमें मतदान प्रतिशत सहित अन्य जानकारियां लोगों ने लाइव देखीं। सागर जिले में मतदान का प्रतिशत 74.61 रहा। सागर जिले के जनपद पंचायत जैसीनगर की ग्राम पंचायत अगरा, औरिया, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा और जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमरा-लहरिया के मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान कराया गया। मतदाताओं ने पेपरलेस मतदान प्रक्रिया को बहुत अच्छा कदम बताया और कहा कि वोट डालने में कम समय लगा और आसानी से वोट डाल सके। आईपीबीएमएस प्रक्रिया के पर्यवेक्षण के लिये राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव डॉ. सुतेश शाक्य और मुकुल गुप्ता के नेतृत्व में टीम भी गठित की गई थी। उप सचिव संजू कुमारी ने पूरी प्रक्रिया का सतत् पर्यवेक्षण कर जरूरी मार्गदर्शन दिया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेस बूथ की नवीन पहल की गई है। इस प्रक्रिया में मतदान केन्द्रों में मतदाता और मतदानकर्मियों द्वारा किये जाने वाला पूरा काम डिजिटल माध्यम से किया जाता है। उल्लेखनीय है कि इस नवीन पहल के तहत वर्ष 2024 में भोपाल जिले के बैरसिया तहसील की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर और रीवा जिले के अतरैला ग्राम पंचायत के सरपंच पद के लिये मतदान सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

बिजली कर्मचारी के साथ मारपीट करने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भोपाल वृत्त के अंतर्गत नारियल खेड़ा में बिजली कर्मचारी के साथ मारपीट करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। छोला जोन प्रबंधक हनीफ सिद्दकी ने बताया कि शहर संभाग उत्तर में नारियल खेड़ा निवासी जावेद अली द्वारा मीटर बायपास कर बिजली चोरी की जा रही थी, जिस पर कंपनी द्वारा 03 फरवरी 2025 को प्रकरण पंजीबद्ध कर राशि 6514 रूपए का बिल जारी किया गया था। आरोपी जावेद अली द्वारा कंपनी के छोला जोन के कर्मचारी जितेंद्र सिंह पर प्रकरण बनवाने के भ्रम के चलते सतर्कता दल के साथ अपनी ड्यूटी के दौरान गाली गलौच और मारपीट करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली गई। इसके विरूद्ध कंपनी के छोला जोन प्रबंधक हनीफ सिद्दकी ने थाना गौतम नगर में जावेद अली के खिलाफ भारतीय ?याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126, 296, 115, 351, 370 में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

तहसील मझौली में पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मझौली शिवांगी सिंह परिहार, सुश्री रूचि परते द्वारा बुधवार 23 जुलाई को तहसील मझौली में पर्यावरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना एवं अधिकाधिक पौधरोपण को प्रोत्साहित करना था। सचिव श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने अपने संबोधन में नागरिकों से अपील की है कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मझौली सुश्री शिवांगी सिंह परिहार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए एवं उनकी देखभाल करनी चाहिए।

यह कार्यक्रम जन-जागरूकता और सामाजिक सहभागिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं अधिवक्तागण ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पत्नी ने बीच सड़क पर पति को चप्पलों से पीटा, वीडियो वायरल

पुलिस ने कहा-शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के विंध्यनगर रोड पर एक महिला ने अपने पति की सड़क पर चप्पलों से पिटाई की। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जो रिलायंस चौराहे के पास घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे हुई। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला अपने पति को सड़क पर गिराकर पीट रही है। आसपास मौजूद कुछ लोग उसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। महिला गुस्से में यह कहते हुए सुनाई देती है- "शराब क्यों पीते हो?"

अक्सर शराब पीकर विवाद करता है पतिः बैढन कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह दंपती नवानगर इलाके के निवासी हैं। महिला कहीं काम करती है, जबकि उसका पति अक्सर शराब पीकर विवाद करता है। फिलहाल पुलिस वीडियो के आधार पर दंपती की पहचान करने में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि अगर दोनों में से कोई भी पक्ष शिकायत करता है, तो मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में श्नशे से दूरी है जरूरीश् अभियान में छात्रों ने ली शपथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में आयोजित किये जा रहे ष्नशे से दूरी है जरूरीष् अभियान के तहत शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय निर्देश पर त्योंथर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य किशोरों, युवाओं और अन्य नागरिकों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है।

शासन के उच्च शिक्षा विभाग के संयोजकत्व में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई ने संयुक्त रूप से किया। प्रदेशव्यापी अभियान में उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, तथा स्वास्थ्य विभाग सहित कई अन्य शासकीय विभाग, स्वयंसेवी एवं धार्मिक संस्थाएं भी सक्रिय सहभागिता कर रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि एक चरित्रवान और विवेकशील नागरिक का निर्माण करना है। कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

कुसमी के सरकारी कॉलेज में शौचालय ही नहीं

छात्राएं खेतों में जाने को मजबूर, 50 गांवों के 350 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं यहां

सीधी। जिले के कुसमी के एकमात्र सरकारी कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। यहां 50 गांवों के करीब 350 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। कॉलेज में डेढ़ साल से शौचालय निर्माण का काम अधूरा है। सरकार ने शौचालय निर्माण और पेयजल व्यवस्था के लिए बजट जारी किया था। ठेकेदार ने पुराने शौचालय को तोड़ दिया। पीने के पानी के नल भी उखाड़ दिए, लेकिन नया निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ।

छात्रा रश्मि सिंह ने बताया कि शौचालय नहीं होने से उन्हें आसपास के खेतों में जाना पड़ता है। इससे उन्हें शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। प्राचार्य नजर अली ने कहा कि वे कई बार ठेकेदार से बात कर चुके हैं। विभागीय अधिकारियों को भी इस समस्या से अवगत करा दिया है।

एसडीएम आरपी त्रिपाठी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। ठेकेदार को जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विशेषकर छात्राओं को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह शिक्षा के स्तर को प्रभावित कर सकता है।

उप मुख्यमंत्री एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल हरियाली महोत्सव के तहत श्एक पेड़ माँ अभियान मं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय परिसर, रीवा में 24 जुलाई को दोपहर 12 बजे को पौधरोपण करेंगे। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्रा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। हरियाली महोत्सव के संयोजक प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में संभाग एवं जिले के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अध्यापक व छात्र, शहर से साहित्यकार, संस्कृतिधर्मी ,शिक्षाविद व विभिन्न क्षेत्रों में अग्रगण्य वरिष्ठजन श् एक पेड़ मां के नाम रोपेंगेश् । नगर के सभी पर्यावरण प्रेमियों से आग्रह किया गया है की हरियाली अमावस्या के दिन आयोजित इस महोत्सव में अपनी भागीदारी निभाकर पर्यावरण सुरक्षा की इस महाअभियान में अपना योगदान दें।

हल्की बारिश से 22 घरों में घुसा पानी

नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप, सीएमओ बोले- बिना अनुमति बनाए गए घर बने समस्या

सीधी। वार्ड क्रमांक 19 में हल्की बारिश से ही लोगों की मुसीबतें बढ़ा गई हैं। नालियों की सफाई न होने के कारण बुधवार को रहमत खान सहित 22 घरों में पानी घुस गया। इससे लोगों का घरेलू सामान भीगकर खराब हो गया। वार्ड पार्षद और भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पूनम सोनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को भी इसी वार्ड में बारिश के बाद पानी भर गया था। कई परिवारों को नुकसान हुआ था। पूनम सोनी ने नगर पालिका को पहले भी इस समस्या के बारे में सूचित किया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ।

सीएमओ बोले- बिना अनुमति बनाए गए घर बन रहे समस्या की वजहः पूनम सोनी ने निरीक्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए नगर पालिका सीएमओ और अध्यक्ष से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की है। नगर पालिका सीएमओ मिनी अग्रवाल का कहना है कि इलाके में कई लोगों ने बिना इजाजत मकान बना लिए हैं, जिससे नालियों का रास्ता रुक गया है। यही वजह है कि बारिश का पानी रुककर घरों में भर रहा है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

सीधी 23 जुलाई 2025

प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि विगत दिनों में जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी से क्षेत्रीय स्तर की वॉलीबाल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम शाजापुर रवाना हुई थी। दिनांक 17 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक सम्पन्न वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर बालिका वर्ग के यू-19, यू -17 एवं यू-14 में प्रथम स्थान एवं बालक वर्ग में यू-14 एवं यू- 17 में उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया । उक्त प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा राज्य के लगभग 280 खिलाड़ीयों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अपने विद्यालय से 05 छात्राओं एवं 03 छात्रों ने भाग लिया। आशिन भगत, संध्या रावत, कनक कुसुम, वीना सिंह, नंदिता सिंह, अंश मरकाम, धीरेन्द्र सिंह एवं सौरभ सिंह ने भाग लिया। इनके अलावा अभी तक विभिन्न खेलो में 12 छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु चयनित हो चुके हैं।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने विद्यालय के खिलाड़ियों एवं खेल प्रभारी श्री रवि पांडेय एवं श्रीमती सुचिता की कड़ी मेहनत की सराहना की। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर सहायक आयुक्त आर के वर्मा एवं श्रीमती दीक्षा ज्योति मिश्रा सहायक आयुक्त एवं बिलासपुर संकुल प्रभारी एन वी एस आरो भोपाल ने बधाई दी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर सीधी जिले के कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं अपर कलेक्टर श्री अंशुमन राज ने बधाई दी। विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर टीम भेजने के लिए संपूर्ण सुविधा प्रदान की गई। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय के सभी खिलाड़ियों, स्टाफ एवं उच्च प्रशासनिक को बधाई दी गई। साथ ही प्राचार्य द्वारा समस्त जिला प्रशासन एवं मीडिया का भी आभार व्यक्त किया गया ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ का सीधा प्रसारण दिखाया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकसित मध्यप्रदेश 2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा रुझान एवं नए अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में कुशाभाऊ ठाकरे हाल भोपाल में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री कालेज ऑफएक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डॉ. रामनारायण स्वर्णकार प्राचार्य के निर्देशन में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। उक्त कार्यशाला से छात्र-छात्राओं को रोजगार आधारित शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी एवं विकसित मध्य प्रदेश 2047 के संकल्पना भी पूरी होगी, जिससे मध्य प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू पायेगा। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर. बी. एस. चौहान, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. के. एस. नेताम सहित समस्त प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सोन नदी की बाढ़ में बहा युवक, 2 दिन से लापता; एसडीआरएफ की टीम कर रही तलाश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में सोन नदी के गोडारू घाट पर युवक बह गया। सोन नदी में सोमवार को मछली पकड़ते वक्त यह हादसा हुआ। दो दिन से एसडीआरएफ की टीम लगातार उसकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

दोस्तों के साथ नदी में मछली पकड़ने गया थाः घटना में लापता युवक की पहचान रुस्तम सिंह गोड़ (24 वर्ष) के रूप में हुई है, जो महुआ टोला गांव का रहने वाला था। वह अपने दोस्तों के साथ नदी में मछली पकड़ने गया था। वह नदी के बीच में खड़ा होकर जाल डाल रहा था, उसी समय अचानक पानी का बहाव तेज हो गया। उसके दोस्तों ने उसे बाहर आने को कहा, लेकिन वह नहीं माना। देखते ही देखते वह तेज बहाव में बह गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके।

घटना स्थल से 5 किलोमीटर तक सर्चिंग पूरीः सूचना मिलने पर गोहपारू पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। एसडीआरएफ प्रभारी कोमल सिंह ने बताया कि टीम अब तक घटना स्थल से 5 किलोमीटर तक का क्षेत्र खंगाल चुकी है। बुधवार सुबह 6 बजे से फिर से तलाश शुरू की गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से 8 साल के बच्चे की मौत

शहडोल। जिले में बुधवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो अलग-अलग स्थानों पर हादसे हुए। जैतपुर के कदौड़ी गांव में एक किसान का बेटा और ब्योंहारी के नगनौडी गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से 6 गायों की मौत हो गई। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक के अनुसार, कदौड़ी गांव में दोपहर 1 बजे सरजू प्रजापति अपने बेटे आशीष और अन्य लोगों के साथ खेत में रोपाई कर रहे थे। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी। आशीष उस समय अपने पिता से दूर था। परिजन तुरंत आशीष को अस्पताल ले गए। ग्रामीणों के मुताबिक आशीष, सरजू का इकलौता बेटा था। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी की सदस्यता सूची का प्रकाशन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी एस.पी. पाण्डेवा ने जानकारी देकर बताया है कि जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी जिला सीधी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन (जो तिथि मध्य प्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जावेगी) को साधारण सम्मिलन/विशेष साधारण सम्मिलन में सम्पन्न होना है।

उन्होंने बताया कि जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी जिला सीधी की सदस्यता सूची का प्रकाशन संस्था कार्यालय के नोटिस बोर्ड, कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थायें, जिला सीधी के सूचना पटल पर 23 जुलाई को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो 23 जुलाई से 30 जुलाई तक संस्था कार्यालय जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी अथवा कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थायें, सीधी में उन्हें सप्रमाण लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण संस्था कार्यालय में 31 जुलाई को समय 02 बजे दिन किया जायेगा।

आपत्तियों के निराकरण के समय सदस्य उपस्थित हो सकते हैं। आपत्तियों के सम्बन्ध में पृथक से व्यक्तिशः सूचना नहीं दी जावेगी। यदि किसी सदस्य की कोई आपत्ति है और वह उपस्थित नहीं होता है तो भी उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आपत्तियों का निराकरण किया जावेगा।

मझौली में विधिक जागरूकता और साक्षरता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा बुधवार दिनांक 23 जुलाई को ग्राम पंचायत मझौली में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम स्थानीय नागरिकों, अधिवक्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आमजन को डॉन योजना, संवाद योजना तथा साथी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता के तहत कई प्रजातियों के पौधे रोपे गए और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक न्याय और स्वच्छ पर्यावरण, दोनों ही एक समावेशी और स्वस्थ समाज की नीव है। हमें दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रापित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

चन्नौड़ी ओपन कैप में एनसीसीएफ की लापरवाही से कई क्विंटल धान हुआ अंकुरित

6 महीने से खुले में पड़ा धान बारिश में भीगा

शहडोल। चन्नौड़ी ओपन कैप में एनसीसीएफ की लापरवाही से किसानों का धान बर्बाद हो गया है। दिसंबर-जनवरी में खरीदा गया धान पिछले 6 महीने से खुले में रखा था। बारिश के कारण धान भीगकर अंकुरित हो गया है। चन्नौड़ी ओपन कैप में कुल 98 हजार क्विंटल धान रखा गया था। इसमें खाम्हीडोल समिति से 20 हजार क्विंटल, चन्नौड़ी से 48 हजार क्विंटल और केशवाही गिरवा से 30 हजार क्विंटल धान शामिल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धान को बारिश से बचाने के लिए उचित प्रबंध नहीं किए गए।

चन्नौड़ी में 54 ओपन कैप बनाए गए थे। प्रत्येक कैप में लगभग 3200 बोरी धान रखी गई थी। इस पूरे स्टोरेज की जिम्मेदारी स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड की थी। धान को केवल पतले तिरपाल से ढका गया था। तेज हवा से तिरपाल कई जगहों से फट गए। इससे बारिश का पानी

कैप के अंदर चला गया।

नियम के अनुसार, चन्नौड़ी ओपन कैप में धान को तीन महीने से अधिक नहीं रखा जा सकता। लेकिन एनसीसीएफ के अधिकारियों ने छह महीने तक धान नहीं उठाया। एनसीसीएफ प्रबंधक एमएस उपाध्याय ने कहा कि धान खरीदी और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी है। यह मामला तब सामने आया जब भारी बारिश के बाद धान की बोरियों से बदबू आने लगी। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक-756/ई-टेंडर/विद्युत/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 22.07.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_439255_1 [FIRST CALL] 756/22.07.2025	"Selection of Firm" for replacement of damaged LED fixture along with comprehensive Maintenance Operation & of illumination 03 years, including supply additional infrastructure in various wards for required electrical material at no Municipal Corporation (M.P.) of cost under Rewa	36 माह ₹ 792.00 लाख	₹20000.00 ₹396000.00	22.08.2025 18:55 बजें तक।

नोटः – निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (विद्युत)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

संपादकीय

अपाचे हेलिकॉप्टर की सेना में एंट्री, मिग-21 को वायुसेना से विदाई

भारतीय सशस्त्र बलों में इन दिनों दो महत्वपूर्ण घटनाएं घट रही हैं— एक ओर अत्याधुनिक अपाचे ।।-64श्च अटैक हेलिकॉप्टर सेना में शामिल हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक लंबा इतिहास समेटे मिग-21 फाइटर जेट भारतीय वायुसेना से विदाई ले रहा है। ये दोनों घटनाएं भारतीय रक्षा क्षमताओं में बदलाव का प्रतीक हैं और भविष्य की रणनीतिक दिशा को दर्शाती हैं। हम आपको बता दें कि अपाचे एएच-64ई विश्व के सबसे आधुनिक और प्रभावशाली अटैक हेलिकॉप्टरों में से एक है। अमेरिका द्वारा निर्मित यह हेलिकॉप्टर अब भारतीय थलसेना के पास भी होगा। पहले अपाचे हेलिकॉप्टर केवल भारतीय वायुसेना के बेड़े में थे, लेकिन अब इन्हें सेना को भी सौंपा जा रहा है, जिससे जमीनी अभियानों में जबरदस्त बढ़त मिलेगी। अपाचे की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि यह हेलिकॉप्टर दिन और रात, किसी भी मौसम में ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें हेलफायर मिसाइल, 70 मिमी रॉकेट्स और 30 मिमी की ऑटोमैटिक गन लगी होती है, जो इसे अत्यंत मारक बनाती है। साथ ही अपाचे हेलिकॉप्टर ड्रोन और अन्य विमानों से जुड़कर एकीकृत ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसके अलावा इसमें उन्नत रडार, नाइट विज़न और आत्मरक्षा प्रणाली होती है जो इसे दुश्मन की मिसाइलों से बचाती है। भारतीय सेना को कैसे मिलेगा लाभ यदि इसके बारे में बात करें तो आपको बता दें कि इसके आने से दुर्गम पहाड़ी इलाकों में तेजी से तैनाती और आक्रमण क्षमता बढ़ेगी। आतंकवाद और घुसपैठ विरोधी अभियानों में मजबूती मिलेगी तथा स्वदेशी टैंक रेजिमेंट्स के साथ संयुक्त ऑपरेशन की क्षमता बढ़ेगी। वहीं अगर मिग-21 की बात करें तो आपको बता दें कि यह भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था। इसे वर्ष 1963 में सोवियत संघ से आयात किया गया था। एक समय ऐसा था जब भारतीय वायुसेना के अधिकांश फाइटर स्क्वाड्रन मिग-21 पर ही आधारित थे। इसकी प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करें तो आपको बता दें कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में मिग-21 ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा कारगिल युद्ध और बालाकोट स्ट्राइक जैसे अभियानों में भी इसका उपयोग हुआ था। हम आपको यह भी बता दें कि बीते दशकों में मिग-21 को फ्लाइंग कॉफिन और विधवा बनाने वाला भी कहा गया, क्योंकि इसमें तकनीकी खामियों और रख-रखाव की जटिलताओं के कारण कई दुर्घटनाएँ हुईं। अब जब यह 60 वर्षों की सेवा के बाद रिटायर हो रहा है, तो यह एक युग के अंत की तरह है। अब सवाल उठता है कि मिग-21 के बाद कौन लेगा इसकी जगह? तो इसके जवाब में हम आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना अब पुराने विमानों की जगह नई पीढ़ी के फाइटर जेट्स ला रही है। इसमें सबसे पहला नाम तेजस का है। यह स्वदेशी रूप से विकसित चौथी पीढ़ी का लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है जोकि उच्च गतिशीलता, उन्नत एवियोनिक्स और हथियार प्रणाली से लैस है। तेजस अब मिग-21 का प्राकृतिक उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के पास अब राफेल है जोकि फ्रांस से आयातित बहुउद्देश्यीय फाइटर जेट है। यह लंबी दूरी की स्ट्राइक, डॉगफाइट और परमाणु हथियारों की तैनाती में सक्षम है। साथ ही अभी विकास के चरण में हैं। भविष्य में स्वदेशी फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट और नेवी फाइटर जेट भारतीय वायुसेना और नौसेना को और मजबूती देंगे। बहरहाल, अपाचे हेलिकॉप्टरों की तैनाती और मिग-21 की विदाई एक प्रतीकात्मक परिवर्तन है। यह दिखाता है कि भारत अब अपने रक्षा बलों को तकनीकी रूप से उन्नत, अत्याधुनिक और नेटवर्क-सक्षम बना रहा है। जहां मिग-21 ने दशकों तक आसमान में भारतीय शक्ति का प्रतीक बनकर सेवा दी, वहीं अपाचे जैसे नए प्लेटफॉर्म अब ज़मीन पर दुश्मन के मनोबल को तोड़ने का कार्य करेंगे।

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

डॉ. आशीष वशिष्ठ ।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संया है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है।

गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है। ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है।

सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है। ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पष्चिम बंगाल में 13 लख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है। बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गर्माया हुआ है। ममता बनर्जी ने 'फेक वोटर' की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है।

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नज़र 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज़्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं।

एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान

बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है।

यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है।

10,000 के लेन-देन में डॉक्टर ने किया डबल-मर्डर

पति-पत्नी को चाकू से गोदा, बोला- तानों से परेशान था, इलाज करने घर पहुंचा था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। अभनपुर में झोलाछाप डॉक्टर ने ताने और बुराई से परेशान होकर पति-पत्नी की हत्या कर दी। मंगलवार शाम इस डबल मर्डर केस का खुलासा किया गया। गांव के एक झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। हत्या के बाद आरोपी खून से सने हुए कपड़े बदलने के लिए अपने घर गया। इस दौरान मोबाइल टावर की लोकेशन बदल गई। पुलिस से पूछताछ में आरोपी अपने बयान में फंस गया। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र के बिरोदा गांव का है। रायपुर एसएसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह ने बताया कि 16 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली के बिरोदा गांव में रहने वाले भूखन ध्रुव(62) और उनकी पत्नी रुक्मणी ध्रुव(60) की हत्या हो गई है। दोनों की लाश घर पर पड़ी हुई है। पुलिस ने देखा कि कमरे में पलंग पर भूखन की लाश पड़ी थी। वहीं उनकी पत्नी रुक्मणी की लाश दूसरे कमरे में जमीन पर पड़ी थी।

गांव के करीब 200 लोगों से पूछताछ: घटनास्थल पर एसीसीयू टीम, एफएसएल यूनिट, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड ने जांच शुरू की। लाश के आसपास खून बिखरा हुआ था। हत्या के लिए चाकू का इस्तेमाल किया गया था। हत्यारे ने गला काटने के बाद सीने पर भी चाकू से वार किया था। लेकिन जांच में कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लगे। इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने गांव के करीब 200 लोगों से पूछताछ की।

आखिरी बार डॉक्टर गया था पति-पत्नी से मिलने: पुलिस को पूछताछ में पता चला कि गांव का एक डॉक्टर को घटना के दिन शाम 6 बजे घर के आसपास देखा गया था। पुलिस ने डॉ राकेश कुमार बारले को पकड़कर पूछताछ की। राकेश ने कहा कि वह घटना के दौरान वहां पर मौजूद नहीं था। लेकिन आरोपी की मोबाइल लोकेशन बयान से मैच नहीं हो रही थी। कड़ाई से पूछताछ करने पर डॉक्टर ने सच उगल दिया।

डॉक्टर ने बताई हत्या की असल वजह: आरोपी राकेश बारले ने बताया कि वह पेशे से झोलाछाप डॉक्टर है। लगभग 2 वर्ष पूर्व ग्राम बिरोदा अभनपुर में आर.के.मेडिकल के नाम से दवाई दुकान खोला था। दवाई बेचने के साथ वह उपचार भी करता है। इसी दौरान लगभग 1 महीने पहले रुक्मणी ध्रुव अपने हाथ दर्द का इलाज कराने आरोपी राकेश कुमार बारले के पास आई थी। आरोपी के इलाज करने और दवाई देने पर महिला का हाथ दर्द ठीक नहीं हो रहा था। वह डॉक्टर को लगातार पैसे दे रही थी।

महिला बोली- इलाज के बहाने लूट रहे हो: वारदात के दिन भी भूखन के बुलाने के बाद आरोपी उनके घर पर इलाज करने गया था। तभी रुक्मणी का राकेश से इलाज ठीक से नहीं करने को लेकर विवाद हो गया। रुक्मणी ने कहा कि तुम बाहर से आकर लोगों को इलाज के बहाने लूट रहे हो। दूसरे लोगों से ज्यादा पैसे ले रहे हो। वह ताना मारकर आरोपी की बुराई करने लगी। इसके अलावा डॉक्टर ने पति-पत्नी को एक जमीन का सौदा करवाने के लिए 10 हजार रुपए एडवांस दिए थे। सौदा कैंसिल होने के बावजूद दंपती पैसे वापस नहीं कर रहा था। इन सब बातों से लेकर आरोपी परेशान था। आरोपी जब दंपती के घर इलाज करने गया। तो उसने भूखन ध्रुव को कमरे में रखे खाट पर लेटाया और पत्नी को पानी गर्म कर लाने को कहा, जिससे वह किचन में चली गई।

गले और सीने पर मारा चाकू: आरोपी अपने पास रखे चाकू से बुजुर्ग के गले और सीने पर वार किया। महिला किचन से गर्म पानी लेकर आई तब आरोपी ने उसी चाकू से उसके भी सीने और गले पर चाकू से हमला कर दिया। हत्या करने के बाद आरोपी अपने गृहग्राम कोड़ापारा गया, जो धमतरी जिले के थाना कुरूद क्षेत्र में है। इसी दौरान आरोपी की मोबाइल लोकेशन बदल गई। यह पुलिस के लिए अहम सुराग बनी। वारदात में इस्तेमाल चाकू, पहने कपड़े और जूते को आरोपी ने एक नाले में फेंक दिया था। फिर वह ग्राम बिरोदा लौटा और अपने दवाई दुकान में फिर से लोगों का उपचार करने लगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मिले सबूतों के आधार पर उसे अरेस्ट कर लिया है।

मृतक दंपती के हैं तीन बच्चे: भूखन और उसकी पत्नी खेती किसानी करते थे। भूखन एक दूसरे व्यक्ति के खेत में कीटनाशक छिड़कने का काम कर रहा था। हत्या के अगले दिन जब वह काम पर नहीं पहुंचा तो वह व्यक्ति उसे घर पर देखने आया था, तभी उसने लाश देखकर उसने सरपंच को सूचना दी थी। इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा। बताया जा रहा है कि भूखन के तीन बच्चे हैं। जिसमें दो लड़की और एक लड़का है। लड़कियों की शादी धमतरी और पाटन में हुई है। वहीं लड़का रायपुर में रहता है।

2 नाबालिग लड़कियों और भाई का अपहरण, एमपी से बरामद; देह व्यापार में ढकेलने की थी साजिश

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की दो नाबालिग बच्चियों और उसके छोटे भाई का अपहरण कर देह व्यापार में ढकेलने का षडयंत्र रचा गया। इस मामले में विशेष न्यायाधीश (एनआईए) अंबिकापुर की अदालत ने तीन आरोपियों को 14-14 साल की सजा सुनाई है। परिचित युवती ने तीनों बच्चों को अपने साथ ले जाकर मध्यप्रदेश के उदयपुरा निवासी दंपती को दे दिया था। तीनों को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया था।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंबिकापुर की सचिव लिनम बनसोडे ने बताया कि, 12 अप्रैल 2024 को जशपुर जिले के तपकरा थाना क्षेत्र से दो नाबालिग लड़कियां और उसका छोटा भाई लापता हो गया था। बच्चों के पिता की मौत पहले हो चुकी थी। बच्चों का पालन पोषण उनके बड़े पिता कर रहे थे। तीनों बच्चों के गुमशुदगी की रिपोर्ट तपकरा थाने में दर्ज कराई गई थी। लापता बच्चों में बड़ी बच्ची की उम्र 14 साल, छोटी बच्ची की उम्र 12 साल और बच्चे की उम्र 10 साल थी।

मध्यप्रदेश से बरामद हुए लापता बच्चे: पुलिस की जांच में पता चला कि, तीनों बच्चों को अंतिम बार विमला यादव (36) निवासी कांसाबेल के साथ जाते हुए देखा गया था। वह बच्चों की दूर रिश्तेदार भी है। पुलिस ने विमला यादव को बुलाकर पूछताछ की तो उसने प्रारंभिक पूछताछ में बच्चों को साथ ले जाने से इनकार कर दिया। जब पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की तो बच्चों को उसने उदयपुरा, मध्यप्रदेश निवासी एक दंपती को सौंपना बताया। जशपुर से पुलिस टीम उदयपुरा, मध्यप्रदेश पहुंची और 18 अप्रैल 2024 को तीनों बच्चों को निर्मला नायक (31) और उसके पति कोमल अहिरवार (33) के कब्जे से बरामद किया। तीनों को उन्होंने अपने घर में बंद कर रखा था। मामले में पुलिस ने दंपती को भी गिरफ्तार किया।

देह व्यापार में ढकेलने की कोशिश: पुलिस पूछताछ में पता चला कि, निर्मला नायक और कोमल अहिरवार ने 14 साल की बच्ची को कुछ युवकों को दिखाकर उससे शादी करने कहा। बच्ची ने शादी से इनकार कर दिया। दंपती दोनों बालिकाओं को देह व्यापार में ढकेलने का षडयंत्र रच रहे थे। मामले में पुलिस ने धारा 120बी, 363, 365, 366, 368, 370 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज किया था।

आरोपियों को 14-14 साल की कारावास: विशेष न्यायाधीश एनआईए, पीठासीन अधिकारी केएल चरयाणी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी विमला यादव, नीलू उर्फ निर्मला नायक व इसके पति कोमल अहिरवार को दोषी पाया। विमला यादव तीनों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी। कुनकुरी में उन्हें दंपती के हवाले कर दिया था। दंपती दोनों बच्चियों को व्यापार कर लाभ अर्जित करने की मंशा रखते थे। अदालत ने तीनों आरोपियों को धारा 120बी, 363, 365, 366क, 368 एवं 370 के तहत दोषी ठहराते हुए 14-14 साल कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

सड़क पर लेटते हुए गंगोत्री से रामेश्वरम की यात्रा, तीन सालों में 5 राज्य पार किया

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। बिहार के बैजनाथ धाम के रहने वाले उपेंद्र दास साल 2022 से एक धार्मिक यात्रा पर निकले है। जहां वे सड़क पर लेटकर अलग-अलग धर्म स्थल में भगवान का आशीर्वाद लेते हुए अपनी यात्रा पूरी कर रहे है। वर्तमान में वे कोंडागांव जिले में हैं। उनका अगला पड़ाव तमिलनाडु है। 6 मार्च 2022 से उपेंद्र दास (52 साल) गंगोत्री से रामेश्वरम तक की यात्रा कर रहे हैं, इसकी दूरी 3 हजार किलोमीटर है। अब तक 5 राज्य उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ पार कर चुके हैं। सड़क पर लेटते हुए ऐसे जाना, इसे छत्तीसगढ़ में कर नापना भी कहा जाता है।

सड़क किनारे या मंदिर में करते है विश्राम: उनकी दिनचर्या सरल है। वे सुबह उठकर सड़क पर लेटते हुए कुछ दूरी तय करते हैं। थकान होने पर सड़क किनारे या मंदिर में विश्राम करते हैं। रास्ते में जहां भी मंदिर दिखता है, वहीं रुक जाते हैं। वहां प्रभु का ध्यान करने के बाद आगे की यात्रा शुरू करते हैं।

आज के हनुमान की दे रहे उपाधि: उपेंद्र दास शिवभक्त परिवार से हैं। उनके अनुसार परिवार को जितना समय देते हैं, उतना ही ईश्वर को भी देना जरूरी समझते हैं। उनकी इस अद्भुत यात्रा को देखकर लोग उन्हें आज के हनुमान की उपाधि दे रहे हैं।

मंत्री केदार के भतीजे की एक्सीडेंट में मौत

डिवाइडर से टकराई स्पोर्ट्स-बाइक, 40 फीट दूर फेंकाया, पूर्व सांसद का बेटा था निखिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप के भतीजे की एक्सीडेंट में मौत हो गई है। हादसा नवा रायपुर में हुआ है। निखिल कश्यप (22) की तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बाइक से वह नीचे गिरा और सिर फटने से उसकी मौके पर मौत हो गई। मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे की है। जानकारी मिलते ही एसएसपी लाल उमेद सिंह मौके पर पहुंचे उनके साथ मंत्री केदार कश्यप भी मौजूद थे। दोनों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

गृहग्राम फरसागुड़ा में आज शाम 5 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। बता दें कि निखिल बस्तर सीट से पूर्व सांसद दिनेश कश्यप का बेटा था। उसकी मां वेदवती कश्यप वर्तमान में बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष हैं। सीएम साय ने सोशल मीडिया साइट ङ्क पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया है।

रायपुर से सत्य साईं अस्पताल की ओर जा रहे थे: मंदिर हसौद पुलिस के मुताबिक, तीन बाइक पर चार युवक सवार थे। निखिल कश्यप के साथ उसका एक दोस्त स्पोर्ट्स बाइक पर पीछे बैठा था। सभी रायपुर से सत्य साईं अस्पताल की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

टक्कर से 40 फीट दूर फेंकाया युवक: टक्कर से निखिल करीब 40 फीट दूर फेंका गया। उसके सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर ही खून बहने से निखिल की मौत हो गई। वहीं बाइक के पीछे में सवार दोस्त भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। वहां मौजूद अन्य दोस्तों ने 112 को सूचना दी।

दोस्त अस्पताल में भर्ती, दोनों ने नहीं पहना था हेलमेट: मौके पर पहुंची 112 ने निखिल के घायल दोस्त को पास के ही एक निजी अस्पताल पहुंचाया है। जहां युवक का इलाज जारी है। दूसरे युवक के भी सिर और शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने निखिल की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि दोनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था।

नेताओं ने जताया दुख: पूर्व सांसद दिनेश कश्यप के बेटे निखिल कश्यप की सड़क हादसे में मौत की खबर के बाद डिप्टी सीएम अरूण साव और विजय शर्मा ने सोशल मीडिया साइड ङ्क पर पोस्ट कर दुख जताया है। वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भी पोस्ट कर शोक व्यक्त किया है।

नगर निकायों और ग्राम पंचायत के समन्वय से संचालित होगी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी.राहुल वेंकट के ने निर्देशानुसार जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों के द्वारा संग्रहित किए जा रहे प्लास्टिक अपशिष्ट एवं निकायों में एकत्रित किए जा रहे प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन हेतु ग्राम पंचायत चनवारीडांड के एसआरएलएम सेंटर में शीघ्र स्थापित होगा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट। जिससे बिलिंग मशीन से एकत्रित प्लास्टिक को बंडल बना कर एवं सीडर मशीन से दाना बनकर प्लास्टिक का उपयोग संसाधन के रूप में किया जाएगा। जिससे दोनों सेंटर की महिलाओं को जहां एक और आजीविका मिलेगी, वहीं दूसरी ओर एकत्रित प्लास्टिक से सड़क निर्माण एवं सीमेंट फैक्ट्री से अनुबंध स्थापित किया जाएगा। जनपद पंचायत भरतपुर के भरतपुर ग्राम पंचायत में भी इसकी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। शीघ्र ही भरतपुर एवं खड़गवां में इन प्रबंधन इकाइयों के माध्यम से प्लास्टिक एकत्रीकरण और प्रबंधन को मूर्त रूप देने हेतु कवायद की जा रही है। प्लास्टिक प्रबंधन हेतु विगत दिनों लगभग 50 ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है।

3 लेयर में फ्रॉड, 11 राज्यों में करोड़ों का ट्रांजेक्शन

बाजार से मोबाइल चोरी, पासवर्ड क्रैक करके रुपए पार; रायपुर में झारखंड-बंगाल के 6 आरोपी अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में हाईटेक चोरी के केस में अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी सब्जी बाजार में लोगों के मोबाइल चोरी करते थे, फिर टेक्निकल एक्सपर्ट की मदद से पासवर्ड क्रैक करते। इसके बाद यूपीआई से अपने खातों में रुपए ट्रांसफर कर लेते थे। आरोपी 3 लेयर में वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों के पास से करोड़ों के लेनदेन की जानकारी मिली है। पुलिस को देश के 11 राज्यों में फ्रॉड की आशंका है। मामले की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में 4 झारखंड और 2 पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

रायपुर के सब्जी बाजार में चोरी से हुआ खुलासा: दरअसल, रायपुर के सब्जी बाजार से लोगों के मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया। गुढ़ियारी स्थित पहाड़ी चौक सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने गए युवक के शर्ट में रखा मोबाइल किसी ने चुरा लिया। फोन-पे से 99 हजार पार कर लिए।

पासवर्ड क्रैक करने टेक्निकल एक्सपर्ट की मदद: मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है। इसी केस की जांच करते हुए पुलिस उस गिरोह तक पहुंची है, जो रायपुर ही नहीं बल्कि अलग-अलग राज्यों के सब्जी बाजारों में इस तरह से चोरी को अंजाम दे रहे थे। जांच में सामने आया कि आरोपी पासवर्ड क्रैक करने में माहिर थे। वे टेक्निकल एक्सपर्ट की मदद से मोबाइल ओपन कर पैसे ट्रांसफर करते थे।

अब विस्तार से जानिए पूरा मामला: घटना 22 जून 2025 की है। नागरिक आपूर्ति निगम में ड्राइवरी का काम करने वाले मुन्नालाल पटेल सुबह 7 बजे गुढ़ियारी स्थित पहाड़ी चौक सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने गया था। इस दौरान किसी ने उसके शर्ट की जेब में रखा मोबाइल चोरी कर लिया। फोन पे से पैसे ट्रांसफर कर 99 हजार निकाल लिए। थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने फोन-पे से भेजी गई रकम से संबंधित अकाउंट की जानकारी जुटाई। जानकारी मिली कि पैसे पश्चिम बंगाल ट्रांसफर हुए हैं। खाता धारक कोलकाता पश्चिम बंगाल निवासी मुकेश कुमार था। लेकिन खाता का इस्तेमाल शेख सुलेमान उर्फ राजन और अंकित शर्मा कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में टीम के सदस्यों को पश्चिम बंगाल और साहेबगंज झारखंड के 1 गिरोह के संबंध में जानकारी मिली। जो चोरी के मोबाइल फोन से उनके बैंक में जमा रकम को ऑनलाइन फोन-पे और पेटीएम के माध्यम से कई बैंकों में ट्रांसफर कर एटीएम से निकाल लिया करते थे। पुलिस ने इस केस में 4 अन्य आरोपियों को पकड़ा।

मौलाना ने प्रेग्नेंट पत्नी को पीटा फिर पिलाया टॉयलेट क्लीनर, बिलासपुर में मौत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 5 महीने की गर्भवती की संदिग्ध मौत हो गई। आरोप है कि उसके मौलाना पति ने प्रेग्नेंट महिला को पहले गर्म प्रेस से जलाया। पेट पर लात मारी, फिर टॉयलेट क्लीनर पिला दिया। इससे महिला की हालत गंभीर हो गई। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद मौलाना ने बिना पोस्टमॉर्टम करवाए शव को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर ले जाकर दफना दिया। मोहल्लेवासियों ने इसकी शिकायत एसएसपी से की। परिजन ने भी हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। जिसके बाद मिर्जापुर एसडीएम-पुलिस को कब्र खोदकर शव को निकलवाने और पोस्टमॉर्टम कराने के लिए पत्र लिखा गया है।

पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। तालापारा स्थित मस्जिद फैजाने गरीब नवाज के पास रहने वाला मौलाना कारी बशीर तैयबा 3 भाइयों के साथ मिलकर होटल चलाता है। मोहल्ले वासियों ने एसएसपी को बताया कि मौलाना का किसी दूसरी महिला को लेकर पत्नी सलमा से 11 जुलाई को विवाद हुआ था। रात में कारी बशीर ने भाइयों के साथ मिलकर गर्भवती पत्नी को बेहरमी से पीटा। कपड़ा प्रेस करने वाले गर्म आयरन से उसे जलाया। पेट में लात मारी। 12 जुलाई को उसे जबरदस्ती हार्पिक पिलाया और छोड़ कर चला गया। महिला बेहोश हुई तो उसकी 10 वर्षीय बेटी ने मोहल्लेवालों को इसकी जानकारी दी। पड़ोसी जब घर पहुंचे तो देखा कि फर्श पर हार्पिक फैला था और चादर खून से सनी हुई थी।

अस्पताल प्रबंधन से मिलीभगत का आरोप: मोहल्लेवालों ने कारी बशीर को फोन किया तब उसने पत्नी को यूनिटी अस्पताल में भर्ती कराया। मोहल्लेवालों ने बताया कि 12 जुलाई की रात 10.45 बजे पत्नी की मौत हो गई। मर्ग की सूचना देने की बात कहने पर उसने अस्पताल प्रबंधन से सांठ-गांठ कर फर्जी लामा बनवाया। इसके बाद पत्नी के शव को निजी एंबुलेंस से सीधे उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर ले गया। मिर्जापुर मौलाना का पैतृक निवास है। 13 जुलाई को उसने मिर्जापुर में पत्नी का अंतिम संस्कार कर दिया।

केंद्रीय विद्यालय मौहारपारा में 'ऑनलाइन सुरक्षा' पर बालिकाओं को मिला डिजिटल साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बालिकाओं की सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय विद्यालय मौहारपारा, मनेंद्रगढ़ में "ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता" विषय पर तृतीय सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा के नेतृत्व में हुआ। यह सत्र बालिकाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता को केंद्र में रखकर तैयार किया गया था, जिसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग जालसाजी, मैलवेयर अटैक, रैंनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमले और साइबर जासूसी जैसे गंभीर डिजिटल खतरों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस सत्र में पुलिस विभाग से श्रीमती उषा राजवाड़े ने बालिकाओं को इंटरनेट से जुड़े खतरों से सचेत रहने के लिए प्रेरित किया और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के साथ-साथ साइबर अपराधों की पहचान एवं उससे बचाव के उपायों पर व्यावहारिक जानकारी दी। इसी क्रम में श्रीमती अंजनी यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर जिला कोरिया की (अधिकार मित्र) (पी. एल. वी.), कार्य क्षेत्र झगराखांड थाना मनेंद्रगढ़, ने बालिकाओं को बढ़ते अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मरक्षा के तरीके साझा किए।

अपर कलेक्टर ने भरतपुर में सुनी आम लोगों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर जनदर्शन में आये 20 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने विगत 22 जुलाई 2025 को भरतपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय कक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे अपर कलेक्टर के समक्ष रखा। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए।

आवेदक नीतू सिंह ने अन्य राज्य से आकर जाति प्रमाण पत्र बनाकर शिक्षक पद पर भर्ती के संबंध में, जवाहर यादव ने खसरा नंबर चढ़वाने के संबंध में, नितेश गुप्ता ने बस स्टैंड में बने सामुदायिक शौचालय के दुकान को आबंटित करने के संबंध में, समस्त चिकित्सा अधिकारी एवं स्टॉप नर्सों ने सीआरएमसी की प्रोत्साहन राशि दिलाए जाने के संबंध में, राम कृपाल केवट ने शासकीय कर्मचारी आवास की अवैध कब्जा को हटाने के संबंध में, जवाहर यादव ने लाइट पोल, वन अधिकार एवं जल संकट के संबंध में, कुशल यादव ने आवेदक की मां की मृत्यु के बाद मां की नौकरी को फर्जी तरीके से राहुल सोधिया उर्फ गोलू द्वारा छीनने एवं पैसा गबन करने के संबंध में, रामखेलावन ने मारपीट के संबंध में, अनिल सोनी ने वन अधिकार पट्टा, गोलीकांड एवं लूटपाट के संबंध में, रामकुमार ने कुवांरपुर नायब तहसीलदार द्वारा घुस लेकर पट्टा बनाने के संबंध में, नत्थू प्यासी ने सुशासन तिहार के तहत 11 अप्रैल 2025 को मत पेटी में डाले गए आवेदन के संबंध में, राम प्रसाद ने बिजली करेंट लगने से शारीरिक रूप से कमजोर को नौकरी दिलाने के संबंध में, राकेश सिंह ने विक्रय पत्र में काट-छांट एवं भूमि स्वामी द्वारा बिना क्रय किए जाने के संबंध में, हीरालाल मौर्य ने प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला भवन भूमि की जीर्णोद्धार करने के संबंध में और आदित्य कुमार गुप्ता (अधिवक्ता) ने मछली, मुर्गा एवं अंडा दुकानों को चिन्हांकित कर अलग करने, सहायक आर.टी.ओ. कार्यालय की स्थापना, जनकपुर के मेन रोड में लगे 45 यूके लिपटिस के पेड़ और तहसील भवन भरतपुर में 6 माह रिपेयरिंग के बाद भी पहली बरसात में पानी अंदर आने के संबंध में अपना आवेदन लेकर उपस्थित हुए थे। अपर कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। वहीं भरतपुर में कलेक्टर जनदर्शन प्रति माह के दूसरे और चौथे मंगलवार को आयोजित किया जाएगा।

परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग (थ्तपेापदह) एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई परीक्षा प्रातः 10.00 बजे से प्रारंभ हो रहा है तो मुख्य द्वार प्रातः 9.45 बजे बंद कर दिया जावेगा। इसलिए समय का विशेष ध्यान रखे। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घड़ी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है।

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर ने पचमढ़ी पहुंचकर नागद्वारी मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नागद्वारी मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने सोमवार को नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मिथिलेश कुमार शुक्ला के साथ पचमढ़ी पहुंचे। कमिश्नर ने नागद्वारी मेले में श्रद्धालुओं को दी जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। और श्रद्धालुओं को और अधिक सुविधाऐं सुगमता से उपलब्ध करानें के निर्देश दिये। कमिश्नर तिवारी ने एसडीएम पिपरिया अनीषा श्रीवास्तव को निर्देश दिये कि नागद्वारी जाने वाले मार्ग पर अनावश्यक रूप से वाहनों का जाम न लगे। यातायात और ट्रेफिक व्यवस्था चाक चौबंद रहे। श्रद्धालुओं को कदम कदम पर पेयजल एवं टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध रहे। जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी विभिन्न पांइट पर लगाई गई है वे सभी अधिकारी एवं

कर्मचारी निश्चारित समय पर अपने पांइट पर उपस्थित रहे एवं श्रद्धालुओं को आ रही समस्याऐं एवं कठिनाईयों का मौके पर रहकर निराकरण करें। कमिश्नर एवं पुलिस महानिरीक्षक ने जलगली मार्ग पर बनाये गये स्वास्थ विभाग के एवं पुलिस सहायता केन्द्र के पांइट पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होनें अब तक स्वास्थ विभाग के द्वारा काउंटर से लाभान्वित होने वाले श्रद्धालुओं की जानकारी ली और उपस्थित चिकित्सकों एवं चिकित्सा स्टॉफ को श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की दवायें एवं औषधि का स्टॉक रखने के निर्देश दिये। कमिश्नर ने निर्देश दिये कि मौसम के मद्देनजर होने वाली सर्दी खांसी उल्टी दस्त आदि का उपचार चिकित्सा काउंटर पर दवाईयां देकर कर दिया जाए वहीं मरीज की मौसम के अनुसार गंभीर स्थिती होनें पर उसे तत्काल पचमढ़ी य पिपरिया के सामुदायक स्वास्थ केन्द्र पर रेफर किया जाए। कमिश्नर तिवारी ने जलगली मार्ग पर बनाये गये पुलिस सहायता केन्द्र का भी अवलोकन किया। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने बताया कि अभी तक किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अव्यवस्था की घटना सामने नहीं आई है।

पुलिस कर्मी हर अप्रिय स्थिती से

रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से टीबी रोगियों को मिली फूड बास्केट

हरदा (एजेंसी)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने क्षय रोगियों के लिए पोषण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से फूड बास्केट उपलब्ध कराए। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला चिकित्सालय हरदा में आयोजित कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. एच.पी. सिंह ने रोगियों को फूड बास्केट का वितरण किया। इस अवसर पर डॉ सिंह ने बताया कि टीबी एक गंभीर संक्रमण है जो शरीर को बहुत कमजोर कर देता है। टीबी के जीवाणु शरीर की ऊर्जा और पोषक तत्वों का उपयोग करते हैं, जिससे मरीज की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है।

अच्छा पोषण प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे शरीर बीमारी से लड़ने और ठीक होने में बेहतर तरीके से सक्षम हो पाता है। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामों एवं हरदा नगर से आए मरीजों व उनके परिजनों ने टीबी यूनिट के प्रयासों की सराहना की व रेडक्रॉस सोसायटी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला मूल्यांकन अधिकारी मनीष शकरगाए, डीईआईएम आशीष साकल्ले, टीबी यूनिट से नीता चौबे, ब्रजेश थापक, राघव गुहा, ममता गुहा, बलराम विश्वकर्मा उपस्थित थे।

जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. मृत्युंजय सिंह गहलोत ने बताया कि कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में टीबी मुक्त भारत अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर जैन के निर्देश पर विशेष अभियान चलाते हुए जिले के 1 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है तथा लक्षण चिन्हों के आधार पर दस हजार लोगों के बलगम की जॉच अत्याधुनिक मशीन के द्वारा की गई। डॉ. गहलोत ने बताया कि गांव गांव में विशेष शिविर लगाकर ढाई हजार लोगों की छाती का एक्स-रे विशेष ए.आई. मशीन के द्वारा किया गया है। उन्होने बताया कि विशेष जॉच शिविर जिले के दूरस्थ ग्रामों से लेकर सभी नगरीय क्षेत्र में निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा (एजेंसी)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय एवं संजीव नागू के साथ-साथ एसडीम टिमरनी महेश बड़ोले, एसडीएम खिरकिया अशोक डहेरिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे। जनसुनवाई में ग्राम बालागांव निवासी सीमा गौर ने कलेक्टर जैन को आवेदन देकर मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता की मांग की, जिस पर उन्होने तहसीलदार हरदा को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में ग्राम जामली निवासी रामकृष्णा पवार ने कलेक्टर जैन को आवेदन देकर पांचातलाई से सालाबैड़ी मार्ग की चयनेज पुलिया को बनाने की मांग की, जिस पर उन्होने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में ग्राम मुहाड़िया निवासी संतोष पाराशर ने कलेक्टर जैन को गरीबी रेखा का कूपन कर्मकार मण्डल का कार्ड बनाने के लिये आवेदन दिया, जिस पर उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में ग्राम भुन्नास निवासी चन्द्रेश गौर ने कलेक्टर जैन को आवेदन देकर बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्राम भुन्नास से लेकर सरस्वती स्कूल हरदा तक नवीन रोड़ का निर्माण कार्य चल रहा है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत माखननगर एवं सोहागपुर परियोजनाओं में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नर्मदापुरम (एजेंसी)। कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 15 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाए जा रहे विशेष पंजीयन अभियान के अंतर्गत सोमवार को जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन, नर्मदापुरम के माध्यम से परियोजना माखननगर एवं परियोजना सोहागपुर में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर योजना के हितग्राही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शौर्य दल सदस्य

एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सीमा मेहरा, सहायक निदेशक, आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया एवं हितलाभ संबंधी विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को मिलने वाली सहायता सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम में हेमंत पंथी, जिला समन्वयक, पोषण अभियान द्वारा पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से हितग्राहियों के फेस कैप्चर और ऐप के उपयोग संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर माखननगर एवं सोहागपुर परियोजनाओं के सेक्टर पर्यवेक्षकगण भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने स्थानीय स्तर पर योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाने हेतु सहयोग प्रदान किया।

वर्षा से हुई जनहानि में आरबीसी 6/4 के तहत पीड़ितों को तत्काल राहत राशि प्रदान की जाए - कमिश्नर

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह वर्षा से होने वाली जनहानि में पीड़ितों को तत्काल आरबीसी 6/ 4 के तहत राहत राशि देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि जनहानि की घटना और राहत राशि देने के बीच अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने नर्मदापुरम हरदा और बैतूल जिले के कलेक्टर से तत संबंध में हुई अब तक कार्रवाई की जानकारी ली। नर्मदापुरम कलेक्टर ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में 6 व्यक्तियों की डूबने से एवं पांच व्यक्ति की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हुई। जिनमें राहत राशि देने के प्रकरण बनाए गए हैं बैतूल कलेक्टर ने बताया कि पांच व्यक्तियों की डूबने से एवं अन्य की अन्य कारणो से मृत्यु हुई है जिसमे राहत राशि दे दी गई है। वही हरदा कलेक्टर ने बताया कि हरदा जिले में अभी तक वर्षा से किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वे मूंग उपार्जन एवं भुगतान के बीच ज्यादा गैप ना रखें। किसानों को मूंग उपार्जन का भुगतान जल्द से जल्द कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा की भुगतान में जल्दी से अप्रिय स्थिति से बचा जा सकता है।

कमिश्नर ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की समीक्षा करते हु? निर्देश दिये की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में हितग्राहियों के केवाईसी कराई जाए, जो डेड खाते हैं वो बंद कराए जाए। साथ ही जन धन खाते भी खुलवायें जाए। अटल पेंशन के नए हितग्राहियों का पंजीयन भी प्राथमिकता से किया जाए, इसके लिए उन्होंने तीनों जिलों में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये।

कमिशनर तिवारी ने मनरेगा अंतर्गत एक बागिया मां के नाम अभियान की समीक्षा की। बताया गया की एक बागिया मां के नाम अभियान में एक एकड़ की निजी भूमि पर भूमि मालिक को बागिया डेवलप करना है। इसके लिए हरदा बेतुल एव नर्मदापुरम जिले में हितग्राहियों का चिन्हाकन हो गया है। हितग्राहियों की ट्रेनिंग भी करवाई गई है। बताया गया की नर्मदा नदी के किनारे एक वृक्ष लगाने का अभियान भी प्रगति पर है। इसके लिए नर्मदा किनारे आश्रय स्थल भी बनाने का प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं। तार फेंसिंग एव प्लांटेशन का कार्य भी प्रारंभ कर दिया जाएगा। कमिशनर तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिये की वे आंगनबड़ी केन्द्रो में टॉयलेट, बागिया, रेन वॉटर सिस्टम आदि की उपलब्धता सूनिश्चित करें। उन्होंने नजूल लीज नवीनीकरण के प्रकरण की समीक्षा करते हु? निर्देश दिये की घर-घर संपर्क कर लीज धारी व्यक्तियों को लीज खतम होने की सूचना देकर नवीन नजूल लीज का नवीनीकरण करने की समझाईश देने के निर्देश दिये। कमिशनर ने शासकीय भवनो, छात्रवास, स्कूल कॉलेज, एव अन्य विभागीय भवन बनाने के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिये। और कहा की जहां जहां भूमि आवंटन आसानी से हो रहा है वहा पहले भूमि आवंटन कर दिया जाए।

कमिशनर तिवारी ने जिले में आगामी अगस्त माह में आने वाले पर्व एव त्योहारो के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रखने के निर्देश दिये। कमिशनर ने नागद्वारी मेला, मूंग उपार्जन, खाद वितरण व्यवस्थित रूप से करने के निर्देश दिये। कमिशनर ने नर्मदापुरम के हर्बल पार्क, एवं आंवली घाट तथा अन्य घाटों में लोगों के डूबकर होने वाली घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हु? निर्देश दिये की इन घाटों पर पर्यापत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी घाटों पर चेतावनी बोर्ड अनिवार्यत से लगाए जाए। कमिशनर ने चिन्हित स्कूलों के जर्जर भवनो को डिसमेंटल करने के भी निर्देश दिये।

उन्होंने ई ऑफिस सिस्टम के तहत सभी शासकीय कार्य करने के निर्देश देते हु? कहा की ई ऑफिस सिस्टम में यदि फाइलो में त्रुटियां हो रही है तो रेमिंगटन गेल सीबीआई पर टाइपिंग कर त्रुटियों को सुधारा जाए।

कमिश्नर और आईजी ने पचमढ़ी में नशा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी एवं पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला सोमवार को पचमढ़ी के ग्रीन हाउस में मध्य प्रदेश पुलिस एवं नर्मदापुरम पुलिस विभाग द्वारा संचालित जागरूकता अभियान नशे से दूरी के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी एवं पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला ने नशा मुक्ति जागरूकता के रथ एवं छात्र-छात्राओं की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पचमढ़ी के ग्रीन हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह ने मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित एवं नर्मदापुरम पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्ति अभियान नर्मदापुरम पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से प्रारंभ किया गया है जो 30 जुलाई तक रहेगा। इस अभियान के दौरान सभी व्यक्तियों को नशे से दूरी बनाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार का नशा जैसे शराब, गांजा अफीम एवं अन्य प्रकार का नशा जो व्यक्ति करता है इससे उसके जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। आम जनता एवं संबंधित व्यक्ति का परिवार भी इसके साथ ही प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि अभी से सभी बच्चों को भी यह समझाना जरूरी है कि नशा जीवन को खराब करता है। इसलिए नशे से हमेशा दूर रहना चाहिए। एक पल का नशा पूरे जीवन को कष्ट से भर देता है। पुलिस अधीक्षक ने सभी छात्र-छात्राओं को समझाइश दी की अपने परिवार अपने आस पड़ोस अपने परिजनों एवं दोस्तों को भी समझाएं और नशे से दूर रहने को कहें तथा उसके दुष्परिणामों से भली-भांति सभी को अवगत कराए।

इस दौरान पुलिस महा निरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला ने सभी छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर शिक्षिका पूजा साहू ने कहा कि पचमढ़ी में यह नशा मुक्ति का अभियान सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। सभी व्यक्ति, परिवार और अन्य समाज जनों को नशा मुक्त रहने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश एवं नर्मदापुरम पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं नशा मुक्ति अभियान के प्रति धन्यवाद स्थापित करते हुए कहा कि इस अभियान से यदि व्यक्ति जागरूक होते हैं तो यह केवल हमारे स्वयं के लिए अपितु उस व्यक्ति के परिवार और देश तथा समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश होगा। आयोजित कार्यक्रम में कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, डीआईजी प्रशांत खरे, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरुकरन सिंह, एसडीएम पिपरिया अनीशा श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारियों ने सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी लेकर नशा मुक्ति का संदेश दिया।

संभागायुक्त 23 जुलाई को लेंगे विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम। संभागायुक्त नर्मदापुरम के जी तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार 23 जुलाई 2025 को प्रात:10-30 बजे से संभागायुक्त कार्यालय नर्मदापुरम संभाग के सभाकक्ष में स्कुल शिक्षा विभाग, अनुसूचित जनजाति विकास एवं जनजातीय कार्य विभाग, (अंत व्यवसायी विकास निगम, आदिवासी वित्त विकास निगम सहित), उच्च शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं पेंशन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने विभागीय कार्यों की अद्यतन जानकारी एवं प्रगति रिपोर्ट के साथ अनिवार्य रूप से बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम 1961 पर कार्यशाला का आयोजन

नर्मदापुरम। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम 1961 के प्रावधानों की जानकारी के लिए गत दिवस क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, नर्मदापुरम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक श्रमायुक्त रजनी मालवीय द्वारा अधिनियम की धारा-3 के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी कार्यशाला में उपस्थित बस ऑपरेटरों को दी गई। उन्होंने बताया कि नियोजकों को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अपने वाहनों एवं कर्मकारों का पंजीयन कराना अनिवार्य है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा ने सभी ऑपरेटरों से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपालन में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं और अधिनियम के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कार्यशाला के दौरान राजेश फौजदार ने जानकारी दी कि उनकी सभी बसों में व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम की व्यवस्था पहले से की गई है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। कार्यशाला में श्रम पदाधिकारी वर्षा इरपाचे, श्रम निरीक्षक ज्योति पी.ए., सुसरिता साहू, राकेश फौजदार, संजय शिवहरे, राजेंद्र तोमर, मनीष तिवारी, राजेंद्र सिंह, उमेश गोयल, रामपाल चौधरी, देवेंद्र एवं सागर सहित अन्य बस संचालक व परिवहन क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन ने भीमपुर सीएससी का किया निरीक्षण

बैतूल (एजेंसी)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने मंगलवार को भीमपुर निरीक्षण के दौरान चिखली के गोडकी ढाना गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में जमीन पर बैठकर एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीयता भरी बैठक की। बैठक में जैन ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति को समझा, बल्कि कार्यकर्ताओं की परेशानियों, सुझावों और अनुभवों को भी पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान सीईओ जैन ने क्षेत्र में स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सेवाओं की समीक्षा की। सीईओ जैन ने ऑनलाइन स्वास्थ्य पोर्टल्स और पंजी रजिस्टरों की भी जांच की और उनमें सुधार के लिए संबंधित कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने भीमपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएससी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लेबर रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा बर्थ वेटिंग एरिया और केएमसी कॉर्नर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीईओ जैन ने चिखली के गोडकी ढाना ग्राम में आयोजित वीएचएनडी टीकाकरण कार्यक्रम का भी निरीक्षण किया। साथ महिलाओं की स्वास्थ्य जांच संबंधी कार्यों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. प्रांजल उपाध्याय, बीएमओ डॉ. पंकज उइके, बीपीएम तिवारी मोरले, सीडीपीओ रामबाई तथा अंतरा फाउंडेशन से डॉ. सोनू राय सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्वोत्तम किसानों व कृषक समूहों को पुरस्कृत किया जाएगा

हरदा। कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम ''आत्मा'' के तहत जिले में विकासखण्ड स्तरीय प्रति कृषक पुरस्कार 10 हजार रूपये तथा जिला स्तरीय सर्वोत्तम प्रति कृषक पुरस्कार 25 हजार रूपये के लिये उन्नतशील कृषकों एवं समूहों से आवेदन पत्र 20 अगस्त तक आमंत्रित किये गये हैं। उपसंचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि वर्ष 2024-25 में किसानों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीक, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी में उपज एवं उत्पादकता के आधार पर पृथक-पृथक प्रति विकासखण्ड 5 सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं 10 जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार दिये जायेंगे। कृषको को आवेदन-पत्र कार्यालयीन समय में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय हरदा. टिमरनी एवं खिरकिया से नि:शुल्क उपलब्ध कराये जायेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

कंबोज को अश्विन ने जहीर और बुमराह जैसा गेंदबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज की प्रशंसा करते हुए उसे एक अच्छा गेंदबाज बनाया। अश्विन ने यहां तक कहा कि अंशुल की क्षमताएं जहीर खान और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज बनने की है। साथ ही कहा कि वह अच्छा गेंदबाज होने के साथ ही खेल में बेहतर रणनीति अपनाना भी जानता है। अश्विन ने कहा, 'अंशुल की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है। मैंने कई तेज गेंदबाजों को देखा है, अगर आप उनसे उनकी रणनीति के बारे में पूछते हैं, तो वे बस यही कहते हैं कि वे अपने को साबित करते हुए खेल का आनंद लेना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर अंशुल अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है और यह भी जानता है कि मैदान पर उस पर कैसे अमल करना है। अधिकतर तेज गेंदबाजों में यह गुण नहीं होता है। जहीर भी ऐसे तेज गेंदबाज थे जो अपनी रणनीति को समझते थे और उस पर अच्छी तरह से अमल करते थे।

अश्विन ने कहा, ' वर्तमान समय में जसप्रीत बुमराह एक ऐसे खिलाड़ी

भारतीय शेयर बाजारों मे रही तेजी, सेंसेस 280 अंक चढ़ा, निटी 25,100 के पार पहुंचा

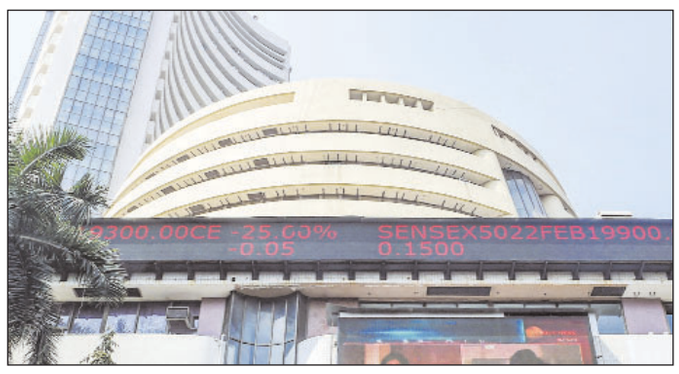

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बुधवार को मजबूती के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 198 अंकों की बढ़त के साथ 82,384 के स्तर पर दिखा, जबकि निफ्टी 74 अंक चढ़कर 25,135 के स्तर पर पहुंच गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हलचल सीमित रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.06 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज हुई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.02 फीसदी फिसल गया। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में बुधवार को मजबूती देखने को मिली। जापान के निक्केई इंडेक्स में 2.5 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान के साथ एक बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिसके चलते निवेशकों में उत्साह दिखा। ट्रंप ने कहा कि इस डील से जापान अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा और अमेरिका को इससे 90 फीसदी मुनाफा मिलेगा। डील में ऑटोमोबाइल, चावल और कृषि उत्पादों के व्यापार के रास्ते खुलने की बात कही गई है। साथ ही इससे अमेरिका में लाखों नौकरियां पैदा होने की संभावना जताई गई है। बुधवार सुबह निक्केई इंडेक्स 1.85 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में 1.95 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.55 फीसदी मजबूत रहा, जबकि कोरिया का कोस्पी इंडेक्स लगभग स्थिर रहा। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी मंगलवार को मिश्रित रुख देखने को मिला। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 6,309.62 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 179.37 अंक चढ़कर 44,502.44 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 20,892.69 पर बंद हुआ।

सोने का भाव 1 लाख के पार, चांदी भी सार्वजनिक स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। बुधवार के कारोबारी दिन चांदी के वायदा भाव लगातार दूसरे दिन सार्वजनिक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के भाव 1,00,400 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,16,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के शुरुआती कारोबार में नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 124 रुपये की तेजी के साथ 1,00,453 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,00,329 रुपये था। इस समय यह 61 रुपये की तेजी के साथ 1,00,390 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,16,204 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,15,655 रुपये था। इस समय यह 577 रुपये की तेजी के साथ 1,16,232 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में सोने के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,444.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,443.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.80 डॉलर की गिरावट के साथ 3,437.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 39.64 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 39.55 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 39.63 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया दो पैसे टूटकर 86.40 प्रति डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। विदेशी पूंजी की निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे टूटकर 86.40 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये में भारी गिरावट को रोका जबकि अमेरिका के जापान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अमेरिकी मुद्रा मजबूत हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा सुधार के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.38 पर बंद हुआ था।

गावस्कर ने कहा इंग्लैंड में जीत दर्ज करने वाले तीन कप्तानों की तरह हैं शुभमन

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना इंग्लैंड में भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले तीन कप्तानों अजीत वाडेकर, कपिल देव और राहुल द्रविड़ से की है। गावस्कर ने कहा कि इन तीनों की कप्तानों को जो चीज अलग करती है वो है उनका शांत और संयमित नेतृत्व है और शुभमन भी वैसे ही है। भारतीय टीम हालांकि अभी सीरीज में में 1-2 से पीछे चल रही है। गावस्कर ने कहा कि इंग्लैंड में जीत दिलाने वाले भी तीनों कप्तान शांत स्वभाव वाले रहे हैं। साथ ही कहा है, भारत ने इंग्लैंड में सिर्फ 3 बार ही टेस्ट सीरीज जीती है। 1971 में अजीत वाडेकर, 1986 में कपिल देव और 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में। वे सभी बहुत ही संयमित कप्तान थे।गावस्कर ने कहा है कि शुभमन बर्मिंघम में वाडेकर, कपिल और द्रविड़ के मिश्रण लग रहे थे, जहां भारत ने शानदार जीत हासिल की थी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में भारत फिलहाल 1-2 से पीछे चल रहा है। इस सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है ओर लीड्स हुए पहले टेस्ट में टीम की ओर से रिकॉर्ड 5 शतक लगे थे, फिर भी उसे हार मिली थी। एजबेस्टन में हुए दूसरे टेस्ट में भारत ने शानदार वापसी की थी और 336 रन से जीत हासिल की थी हालांकि तीसरे टेस्ट में टीम को करीब मुकाबले में हार का सामना करना पड़ था। भारतीय टीम ने तीसरे मैच में भी अच्छा खेला पर कुछ एक गलतियों से मैच उसके हाथ से फिसल गया।

ह्यूदै क्रेटा का एक बार फिर बाजार में दबदबा कायम

नईदिल्ली (एजेंसी)। जून 2025 की बिक्री रिपोर्ट की माने तो ह्यूदै क्रेटा ने एक बार फिर बाजार में दबदबा कायम रखा है। बीते महीने में 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ नंबर-1 एसयूवी का खिताब हासिल किया। इसके बावजूद पिछले महीने के मुकाबले 3.11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई, लेकिन इलेक्ट्रिक वेरिएंट की बिक्री ने इसकी पकड़ मजबूत बनाए रखी। टोयोटा हायराइडर ने 7,462 यूनिट्स के साथ दूसरा स्थान पाया और सालाना आधार पर 74.55प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। तीसरे नंबर पर मारुति ग्रांड विटारा रही, जिसकी 6,828 यूनिट्स बिकीं, लेकिन इसमें 29.46प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। किआ सेल्टोस ने 5,225 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जबकि टाटा की नई एसयूवी क्रूव ने 2,060 यूनिट्स बेचकर पांचवें स्थान पर अपनी जगह बनाई। होंडा इलेवेट को 1,635 यूनिट्स के साथ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, वहीं महिंद्रा बीई 6 ने 1,203 यूनिट्स की बिक्री कर ईवी सेगमेंट में जगह बनाई। फाक्सवैगन टाइगुन (1,168 यूनिट्स) और स्कोडा कुशाक (793 यूनिट्स) की बिक्री में गिरावट देखी गई, जबकि एमजी झेडएस ईवी सिर्फ 317 यूनिट्स बेच पाई और दसवें स्थान पर रही।

तीन छके लगाते ही ऋषभ तोड़ देंगे सहवाग का रिकार्ड

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी अपनी चोट से उबर रहे हैं पर चौथे टेस्ट में खेलने की उनकी उम्मीदें अभी समाप्त नहीं हुई हैं। अगर वह इस मैच में खेलते हैं तो एक नया रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैा वह है सबसे अधिक छक्के लगाने का। इसके लिए उन्हें तीन छक्के चाहिये। ऋषभ इस मैच में तीन छक्के लगाते ही टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से वीरेंद्र सहवाग के 90 छक्कों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। यह रिकॉर्ड पिछले काफी समय से बना हुआ है। हालांकि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उन्हें उंगली में चोट लगी थी, फिर भी मैनचेस्टर टेस्ट में विकेटकीपर के तौर पर उनके खेलने की पूरी उम्मीद है। भारतीय टीम इस सीरीज में पहले से ही 1-2 से पीछे हैं और ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह मैच तक फिट हो जायें। सहवाग ने 103 टेस्ट की 178 पारियों में 90 छक्के लगाए हैं। वहीं ऋषभ ने अपने करियर के 46 टेस्ट मैचों में अब तक 88 छक्के लगाये है और वह 88 छक्के लगाकर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। उनका 74.19 का स्ट्राइक रेट मध्य क्रम में काफी अच्छा माना जाता है। वहीं सहवाग का सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्ट्राइक रेट 82.18 था । वहीं सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में तीसरें नंबर पर महेन्द्र सिंह धोनी हैं। जिनके नाम 78 छक्के हैं। वहीं रविन्द्र जडेजा के नाम 72 छक्के हैं।

चाइना ओपन बैंडमिंटन से विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करना चाहेंगे सात्विकसाईराज और चिराग

बीजिंग (एजेंसी)। पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप को देखते हुए भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का लक्ष्य चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। सात्विकसाईराज और चिराग चाइना ओपन के जरिये विश्व चैंपियनशिप से पहले लय हासिल करना चाहेंगे। अभी ये जोड़ी विश्व में 15वें स्थान पर हैं। वहींअभी तक ये जोड़ी इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंची है पर अभी तक फाइनल में पहुंचने में असफल रही हैं। यही नहीं इस जोड़ी को पिछले सप्ताह जापान ओपन में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार का सामना करना पड़ा था।। चाइना ओपन में इस जोड़ी का पहला मुकाबला जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा की जोड़ी से होगा। वहीं एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और महिला वर्ग में शीर्ष खिलाड़ी पीवी सिंधु भी इस टूर्नामेंट से फार्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे। लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यहां उनका पहला

मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। वहीं पुरुष एकल में प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का मुकाबला करेंगे। सिंधु पिछले सप्ताह वह कोरिया की सिम यू जिन से हार गईं थी। यह इस वर्ष पांचवा अवसर था जबकि वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। सिंधु का पहला मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन तोमोका मियाजाकी से होगा। महिला एकल में उन्नति हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय चीनी ताइपे की लिन सियांग टी खेलेंगी।

आईएसएल इसी प्रकार स्थागित रहा तो फुटबॉल पीछे चला जाएगाः छेत्री

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का मानना है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित बने रहने से देश में फुटबॉल को नुकसान होगा। छेत्री के अनुसार इससे खिलाड़ियों में संशय के हालात हैं। इससे प्रशंसकों में भी कई आशंकाएं हैं। छेत्री इस लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलते हैंऔर अनका कहना है कि कई लोगों ने उनसे संपर्क कर देश में फुटबॉल के भविष्य को लेकर चिन्ताएं जतायी हैं। साथ ही कहा कि इससे खेल में उभर रहीं प्रतिभाओं का भी मनोबल गिरेगा। इस स्टार फुटबॉलर ने कहा , मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसमें मुझे क्या करना होगा।

वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में लांच किए तीन नए ब्रांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल वोदका ब्रांड स्मिरनॉफ ने भारत में तीन देसी स्वादों जामुन, आम और नींबू के साथ अपने नए प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं। देश में बढ़ती अल्कोहल की मांग को देखते हुए देशी और विदेशी ब्रांड अपने उत्पादों को स्थानीय रंग-रूप देने में जुटे हैं, और स्मिरनॉफ का यह कदम उसी दिशा में एक नया प्रयोग है। भारतीय उपभोक्ताओं की भावनाओं और स्वाद की पसंद को ध्यान में रखते हुए स्मिरनॉफ ने मिंटी जामुन, मिर्ची मैंगो और जेस्टी लाइम जैसे फ्लेवर बाजार में उतारे हैं। कंपनी का मानना है कि जब ग्लोबल ब्रांड देसी स्वाद में ढलेंगे, तो ग्राहकों से भावनात्मक जुड़ाव और खरीदारी की संभावना बढ़ेगी। इन फ्लेवरों के जरिए न केवल एक अलग टेस्ट का अनुभव मिलेगा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का माध्यम भी बन सकते हैं। फिलहाल यह नए फ्लेवर केवल कुछ राज्यों कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में ही उपलब्ध हैं। लेकिन कंपनी की योजना है कि इन्हें धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों में भी उतारा जाए। कंपनी का उद्देश्य है कि युवा वर्ग जो नए और अनोखे स्वादों की तलाश में रहता है, उसे एक एडवेंचरस और यादगार अनुभव दिया जाए। डियाजियो इंडिया की चीफ मार्केटिंग

ऑफिसर रुचिरा जेटली के अनुसार, भारतीय युवा उपभोक्ता अब पारंपरिक से हटकर कुछ नया चाहते हैं। वे चाहते हैं कि वैश्विक ब्रांड उनके स्थानीय स्वाद और संस्कृति से जुड़ें। मिंटी जामुन भारतीयों के बचपन की यादों से जुड़ा हुआ स्वाद है, मिर्ची मैंगो आम के तीखेपन को एक नए अंदाज़ में पेश करता है, और जेस्टी लाइम पारंपरिक नींबू के स्वाद को ताज़गी से भर देता है। इन नए फ्लेवरों को लॉन्च करना कंपनी की मार्केट स्ट्रैटेजी का अहम हिस्सा है, जिससे वह भारतीय बाजार में और गहरी पैठ बनाना चाहती है। स्मिरनॉफ का यह देसी अवतार निश्चित रूप से उन लोगों को आकर्षित करेगा, जो परंपरा और आधुनिकता का एक नया मेल तलाश रहे हैं।

बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में खेलेंगे - सिराज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मो सिराज ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार से शुरु हो रहे मैनचेस्टर टेस्ट में खेलेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। वहीं ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी घुटने की चोट के कारण इस सीरीज से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में इस मैच में बुमराह का खेलना जरुरी हो गया है। इसी को देखते हुए सिराज ने कहा है कि बुमराह चौथा टेस्ट खेलेंगे। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में टीम को बराबरी हासिल करने के लिए ये मैच जीतना जरुरी है। ऐसे में टीम प्रबंधन के पास बुमराह को खिलाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। सिराज ने कहा, बुमराह खेलेंगे पर हमें हमें सफलता के लिए अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की जरूरत है। वहीं फिट होने पर ओल्ड ट्रैफर्ड में युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी जगह मिल सकती है। एजबेस्टन में 10 विकेट लेने वाले आकाश को लॉर्ड्स में लाइन लेंथ को लेकर परेशानी हुई। सिराज ने कहा कि आकाशदीप को ग्रोइन की समस्या है और मेडिकल टीम और उनकी जांच कर रही है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं जबकि अर्शदीप अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। इससे उनका टेस्ट डेब्यू फिर टल गया है। साथ ही कहा गया कि वह बीसीसीआई की निगरानी में हैं।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से

आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है। इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे।

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें : कलेक्टर

आमजन को प्राप्त होने वाली राजस्व संबंधी सेवाओं का नियत समय में लाभ दिलाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर क्रप्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करते हुए आमजन को राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ नियत समय सीमा में दिलायें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी राजस्व न्यायालय व कार्यालय समय पर खुले। लोगों के न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित सुनवाई की जाय तथा राजस्व से संबंधित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण हो। उन्होंने कहा कि राजस्व के प्रकरण 3 माह से अधिक लंबित नहीं रहने चाहिए। सभी तहसीलदार पूर्व के लंबित प्रकरणों का 15 दिवस में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने नामांतरण के समय सीमा से अधिक दिनों तक लंबित प्रकरणों में संबंधित नायब तहसीलदारों को नोटिस देने तथा समय सीमा से अधिक दिनों से लंबित सेवाओं के लिये संबंधितों पर अर्थदण्ड अधिरोपित करने के निर्देश बैठक में दिये गये।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदाओं में प्रकरणों का परीक्षण कर एसडीएम को तत्परता से निराकृत कर संबंधितों को सहायता राशि प्रदाय करने के निर्देश दिये। उन्होंने आरसीएमएस में 2 से 5 वर्ष के लंबित प्रकरणों का निराकरण कर अभिलेख सुधार के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही किये जाने की बात कही। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि सभी तहसील एक ग्रेड में रहे तथा 50 दिनों से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों का निराकरण करें तथा जिले में संचालित हो रहे शिविरों में भी निराकरण करायें। उन्होंने संवाद से समाधान कार्यक्रम में बटवारा प्रकरणों का मौके पर निराकरण करने के निर्देश दिये।

बैठक में जनसुनवाई के प्रकरणों का निराकरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने जिले में फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा तत्परता से कार्य किये जाने के निर्देश दिये। भूअर्जन के संबंध में संबंधित विभाग से समन्वय बनाकर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। उन्होंने मनगवां एवं सिरमौर के तहसील भवन निर्माण के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश बैठक में दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर क्रसपना त्रिपाठी, समस्त एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, जिला प्रबंधक ईगवर्नेंस आशीष दुबे, जिला प्रबंधक लोक सेवा रविकांत पाण्डेय सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने किया सडक एवं गेट निर्माण कार्य का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने बुधवार को ग्राम सुहौला में भर्री के मध्य लघु निर्माण मद द्वारा स्वीकृत 93.07 लाख रूपये की लागत से बनने वाले रपटा, स्टॉप डेम तक पहुंच मार्ग एवं गेट निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। राज्यमंत्री ने कहा कि कराये जा रहे विकास कार्य नागरिकों की सुविधा और क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनता के विश्वास और सहयोग से रैगांव विधानसभा को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारा संकल्प है। इस मौके पर सीईओ जनपद पंचायत सोहावल प्रतिपाल बागरी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी तथा बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

हेमू कालानी की 30 फिट ऊंची प्रतिमा स्थापित करवाने महापौर को सौंपा स्मरण पत्र

सतना। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिन्धू सभा द्वारा बुधवार को अमर शहीद हेमू कालाणी जन्मोत्सव के अवसर पर म,प्र, सिन्धी साहित्य अकादमी के तत्वाधान में आयोजित कवि सम्मेलन के अवसर महापौर योगेश ताम्रकार ने हेमू कालाणी पार्क परिसर में 30 फीट ऊंची अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा स्थापित करवाने की घोषणा की थी। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया प्रतिमा स्थापित करने के लिए संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी के सानिध्य में एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की।

जिसमें महापौर ने अति शीघ्र प्रतिमा स्थापित करवाने का आश्वासन देते हुए कहा अमर शहीद हेमू कालाणी की शहीदी दिवस के पूर्व स्थापित करवाने का प्रयास करूंगा। स्मरण पत्र की एक प्रति वार्ड पार्षद एवं लोक निर्माण अध्यक्ष गोपी गेलानी जी को भी प्रेषित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कार्य सदस्य श्री मनोहर आरतानी अध्यक्ष अशोक चांदवानी महामंत्री विनोद गेलानी मंत्री संजय वाधवानी दिलीप सोनी हीरा सोनी मनीष सदानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मझगवां सीएचसी में तोड़फोड़ करने वाले 2 युवक गिरफ्तार, शराब के नशे में मचाया था उत्पात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शनिवार देर रात तोड़फोड़ करने वाले दो युवकों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी भट्ठन टोला मझगवां के रहने वाले हैं और सीसीटीवी फुटेज की मदद से उनकी पहचान की गई।

सीएचसी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में युवकों की सारी हरकतें रिकॉर्ड हो गई थीं। पुलिस ने फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और फिर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम अभिषेक कुशवाहा पिता राममनोहर कुशवाहा (21 वर्ष) और विकास कोल पिता रामकेश कोल (21 वर्ष) हैं।

शराब के नशे में किया उत्पात: पुलिस के अनुसार, यह घटना 20 और 21 जुलाई की दरम्यानी रात करीब 1 बजे की है। दोनों आरोपी शराब के नशे में सीएचसी मझगवां पहुंचे और वहां तोड़फोड़ कर उत्पात मचाया। अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर भेजा गया थाने: घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन ने मझगवां थाना पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच जारी है।

सवा करोड़ की सड़क दो साल में जर्जर

सोशल मीडिया पर लोगों ने बताया विकास का ट्रेडमार्क, बोले- विकास सड़क फाड़कर निकल रहा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक पुलिया सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो गई है। दरअसल ग्रामीण विकास यांत्रिकी से जुड़ी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। जो बेहद ही रोचक है और जिसे लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। रीवा में यह तस्वीर इन दिनों चर्चा का विषय बन गई। कोई इस तस्वीर को देश में ग्रामीण विकास का ट्रेडमार्क बता रहा है तो कोई कह रहा है कि विकास सड़क फाड़ कर निकल रहा है। रीवा के मनगवां विधानसभा क्षेत्र में हिनौता गोधाम के पास निर्मित सड़क और पुलिया की खस्ता हालत की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। ग्रामीण विकास यांत्रिकी विभाग द्वारा क्योंटी कटरा मुख्य मार्ग से हिनौती गदही गोशाला तक निर्मित यह सड़क मात्र दो वर्ष में ही जर्जर हो गई है।

सवा करोड़ रुपए में बनी चार किमी लंबी सड़क: चार किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण सवा करोड़ रुपए की लागत से ठेकेदार पुष्पराज सिंह द्वारा किया गया था। विभाग द्वारा निर्माण कार्य का पूरा भुगतान भी किया जा चुका है, लेकिन सड़क की दयनीय स्थिति ने सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस निर्माण कार्य को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ यूजर्स इसे ग्रामीण विकास का 'ट्रेडमार्क' बता रहे हैं तो कुछ इसे भ्रष्टाचार का उदाहरण। स्थानीय निवासी कृष्णा सिंह हिनौती ने कहा कि यह गोशाला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है, जिस पर गौवंशों के लिए वाहनों का आवागमन होता है, लेकिन जनप्रतिनिधियों का इस ओर ध्यान नहीं है।

लोगों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप: सोशल मीडिया यूजर शिवानंद द्विवेदी ने रीवा में सिविल कंस्ट्रक्शन कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। अन्य यूजर्स ने भी इस तरह की घटिया गुणवत्ता वाले निर्माण कार्यों पर चिंता जताई है।

ग्रामीणों ने शुरू किया जलसत्याग्रह

अमिलिया में 5 दिन से ट्रांसफॉर्मर खराब; कंपनी ने शिकायत के बाद भी नहीं सुधरवाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ग्राम पंचायत लालपुर के अमिलिया गांव में बिजली की समस्या से लोग परेशान हैं। गांव का एकमात्र ट्रांसफॉर्मर पिछले पांच दिनों से खराब है। ग्रामीणों ने 18 जुलाई को ही बिजली विभाग को इसकी सूचना दी थी। लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे नाराज होकर ग्रामीणों ने बुधवार से तालाब में उतरकर जलसत्याग्रह शुरू कर दिया है। उमस भरी गर्मी में बिजली न होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नया ट्रांसफॉर्मर लगने तक जारी रहेगा प्रदर्शन: आंदोलन की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक नया ट्रांसफॉर्मर नहीं लगेगा, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की है।

बिजली विभाग की ओर से नहीं मिला जवाब

जिला पंचायत सदस्य विमला कोल भी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में पहुंची हैं। उन्होंने पहले भी जिला पंचायत के सदन में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। बिजली विभाग की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

होटल मालिक की पत्नी से मारपीट कैमरे में कैद, मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के चित्रकूट में महिला के साथ घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी पत्नी को जमीन पर गिराकर लात मारते हुए और बाल पकड़कर घसीटते हुए ले जाता हुआ दिख रहा है। यह वीडियो 19 जुलाई का बताया गया है, जो कि घर के अंदर का है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच शुरू की। फुटेज में दिख रहा व्यक्ति चित्रकूट में दो होटलों का मालिक है।

वीडियो के आधार पर 151 के तहत मामला दर्ज: चित्रकूट थाना प्रभारी डीआर शर्मा ने बताया कि महिला या उसके परिवार की ओर से अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने वायरल

वीडियो के आधार पर धारा 151 के तहत मामला दर्ज किया है।

महिला ने पति के खिलाफ कार्रवाई से इनकार किया: पुलिस ने वीडियो में दिख रहे स्थान की पहचान कर मौके की पुष्टि की है। महिला ने पति के खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया। दोनों का एक पांच साल का बेटा है, जिसे कैंसर है।

न्यायाधीशगणों द्वारा किया गया बालकों को जागरूक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश डॉ. क्रअंजली पारे और न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में ज्ञानस्थली सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि क्रअंजली पारे ने बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पाक्सो अधिनियम में बालक एवं बालिकाओं के यौन शोषण करने वाले अपराधियों के लिये तीन वर्ष से लेकर मृत्युदण्ड तक का प्रावधान है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने उद्बवोधन में कहा कि बालको कि सुरक्षा एवं सुरक्षित वातावरण में उनका विकाश होना समाज का दायित्व है। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम,

नवांकुर संस्था की आदर्श नर्सरी में तैयार किए गए 1800 पौधे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक संगठनों के सहयोग से वृक्षारोपण किया जा रहा है। जन अभियान परिषद से जुड़े स्वसहायता समूहों तथा नवांकुर संस्थाओं ने वृक्षारोपण के लिए बड़ी संख्या में पौध तैयार किए हैं। इस संबंध में संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि रीवा जिले के गंगेव विकासखण्ड में नवांकुर संस्था माँ बम्बा देवी सामाजिक समिति द्वारा विभिन्न प्रजातियों के 1800 से अधिक पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों को ग्राम बेलवा पैकान में आदर्श नर्सरी में तैयार किया गया है। इन पौधों के रोपण के लिए तैयारियाँ की जा रही हैं। हरियाली अमावस्या में नवांकुर संस्था से जुड़ी महिलाओं द्वारा हरियाली यात्रा निकालकर इन पौधों का समारोह पूर्वक रोपण किया जाएगा।

स्काई जिम सतना मे आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम, क्लीन सतना ग्रीन सतना के लगे नारे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ, अभियान के तहत नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में इं.धर्मेंद्र सिंह परिहार ने सतना शहर को स्वच्छ,सुंदर,स्वस्थ शहर बनाने एवं 4 आर- कचरे को रिड्यूस ,रीयूज, रीसाइकिल, रिफ्यूज की अवधारणा के साथ, होमकंपोस्टिंग, पर्यावरण संरक्षण", "मतदाता जागरूकता", "स्वच्छता जागरूकता", "नशा मुक्ति", "अपराध मुक्त समाज", "भ्रष्टाचार मुक्त समाज", की परिकल्पना के साथ स्काई जिम सेमरिया चौराहा सतना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सभी से सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने में अपनी अपनी सहभागिता निभाने का अनुरोध किया गया तथा

कचड़ा चार भागों में गीला,सूखा,सेनेटरी तथा घरेलू हानिकारक अलग-अलग -निर्धारित हरी डस्टबिन व नीली डस्टबिन में गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक कचड़ा कलेक्शन (मांगने वाली) गाड़ी को देने का अनुरोध किया गया।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी से आगामी भविष्य के सभी चुनावों के स्वतंत्र,निष्पक्ष, समावेशी,प्रलोभन रहित सुगम, सहभागी,सुरक्षित होने का प्रयास सर्वजन द्वारा हो ; साथ ही सभी उपस्थित मतदाताओं से निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार के प्रयोग का अनुरोध किया गया।

कार्यक्रम में शक्ति सिंह डायरेक्टर, योगेश जैन, गुड्डू , ऋषि वाधवानी, कृष्णा कापडी, ईशान, गौरव राजपाल, चिराग, ज्ञानू विश्वकर्मा, नीरज नाथानी, विशाल आहूजा, रॉकी बग्गा,संदीप वाधवानी, कृष गिलानी,आशीष चौरसिया,अनु तीर्थवानी, नेहा, सनी, शिवांगी, साक्षी,राकेश नाथानी आदि अनेक लोगों ने भाग लिया। सभी से सिंगल यूज पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने का अनुरोध किया गया! कार्यक्रम में इंजीनियर धर्मेंद्र सिंह ने सभी को स्वच्छता शपथ एवं मतदाता शपथ दिलवाई तथा सभी से नशा मुक्ति, भ्रष्टाचार मुक्त एवं अपराध मुक्त समाज के प्रयास का संकल्प दिलवाया गया।

जिला अस्पताल में आशा वर्कर्स का रेस्ट रूम बना कबाड़खाना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल में आशा कार्यकर्ताओं के लिए बनाया गया रेस्ट रूम अब कबाड़खाने में तब्दील हो गया है। भारत सरकार ने 2018 में डिलीवरी प्वाइंट्स पर आशा कार्यकर्ताओं के लिए रेस्ट रूम की सुविधा दी थी। सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय जिला चिकित्सालय में हाई डिपेंडेंसी यूनिट के सामने बनाए गए इस रेस्ट रूम का उपयोग कबाड़ रखने के लिए किया जा रहा है। जिला अस्पताल में रोजाना औसतन 25 से 30 आशा कार्यकर्ताएं गर्भवती महिलाओं के साथ आती हैं।

मदर्स वेटिंग एरिया में उनके ठहरने की वैकल्पिक व्यवस्था: कई आशा कार्यकताएं 80 किलोमीटर की दूरी से मरीजों को लेकर आती हैं। रेस्ट रूम के अनुपयोगी होने के कारण अस्पताल प्रबंधन ने मदर्स वेटिंग एरिया में उनके ठहरने की वैकल्पिक व्यवस्था की है। ये एरिया मूल रूप से उन माताओं के लिए है जिनके बच्चे एसएनसीयू में भर्ती हैं।

डेढ़ करोड़ रुपए के नवीनीकरण की मंजूरी मिल चुकी: आरएमओ डॉक्टर शरद दुबे के अनुसार, रेस्ट रूम की स्थिति जर्जर है। आरकेएस की बैठक में डेढ़ करोड़ रुपए के नवीनीकरण की मंजूरी मिल चुकी है। प्रबंधन आशा कार्यकर्ताओं के लिए एक वातानुकूलित कमरा बनाने की योजना बना रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।